संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 223
पृष्ठ 8
रविवार
04 मई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मियों में बालों को होती है खास...

विचार- जाति जनगणना, भाजपा के दांव...

खेल- गुजरात ने प्लेऑफ के लिए बढ़ाए...

पहलगाम हमले पर पीएम मोदी बोले-

आतंकवाद मानवता के लिए खतरा है, निर्णायक कार्रवाई करेंगे

नई दिल्ली,एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति राष्ट्रपति लौरेंको और अंगोला की संवेदनाओं के लिए मैंने उनका आभार व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद हाउस में अंगोला के राष्ट्रपति लौरेंको के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद संबोधन में यह बात कही।

आतंकवाद के मुद्दे पर बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हम एकमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों के प्रति राष्ट्रपति लोरेंसू और अंगोला की संवेदनाओं के लिए

मैंने उनका आभार व्यक्त किया। हम आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों के खिलाफ ठोस और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में अंगोला के समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों की ओर से, मैं अंगोला को 'अफ्रीकन यूनियन' की अध्यक्षता के लिए शुभकामनाएं देता हूं। हमारे लिए यह गौरव की बात है कि भारत की जी 20 अध्यक्षता के दौरान 'अफ्रीकन यूनियन' को जी 20 की स्थायी सदस्यता मिली। भारत और अफ्रीका के देशों ने कोलोनियल शासन के खिलाफ एक सुर में आवाज उठाई थी। एक दूसरे को प्रेरित किया था। आज हम ग्लोबल साउथ के हितों, उनकी आशाओं, अपेक्षाओं और आकांक्षाओं की आवाज बनकर एक साथ खड़े रहे हैं ।

अंगोला के राष्ट्रपति भारत दौरे पर हैं। शनिवार को अंगोला के राष्ट्रपति के साथ साझा प्रेस वार्ता में पीएम मोदी ने कहा कि श्मैं राष्ट्रपति लोरेंसू और उनके प्रतिनिधिमंडल का भारत में हार्दिक स्वागत करता हूं। यह एक ऐतिहासिक पल है। 38 वर्षों के बाद, अंगोला के राष्ट्रपति की भारत यात्रा हो रही है। उनकी इस यात्रा से, न केवल भारत–अंगोला संबंधों को नई दिशा और गति मिल रही है, बल्कि भारत और अफ्रीका साझेदारी को भी बल मिल रहा है।श प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वर्ष, भारत और अंगोला अपने राजनयिक संबंधों की 40वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। लेकिन हमारे संबंध, उससे भी बहुत पुराने हैं, बहुत गहरे हैं। जब अंगोला आजादी के लिए संघर्ष कर रहा था, तो भारत भी पूरी आस्था और मित्रतापूर्ण संबंधों के साथ अंगोला के साथ खड़ा था।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी है कि अंगोला की सेनाओं के आधुनिकीकरण के लिए 20 करोड़ डॉलर की डिफेन्स क्रेडिट लाइन को स्वीकृति दी गई है। रक्षा प्लेटफॉर्म्स की मरम्मत और बदलाव और सप्लाई पर भी बात हुई है। अंगोला की सशस्त्र सेनाओं की ट्रेनिंग में सहयोग करने में हमें खुशी होगी। साथ ही डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, स्पेस तकनीक, क्षमता निर्माण के क्षेत्र में अंगोला के साथ अपनी क्षमताएं साझा करेंगे। हम स्वास्थ्य, डायमंड प्रोसेसिंग, फर्टिलाइजर और अहम खनिज क्षेत्रों में भी सहयोग मजबूत करेंगे।

मोदी ने जताया शोक

गोवा के शिरगांव मंदिर की जात्रा में मची भगदड़ में छह लोगों की मौत

पणजी,एजेंसी। गोवा के शिरगांव में आयोजित प्रसिद्ध श्री लैराई जात्रा (धार्मिक यात्रा) के दौरान शुक्रवार रात भगदड़ मचने से छह लोगों की मौत हो गयी और 30 से अधिक लोग घायल हो गये। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और बचाव टीम मौके पर पहुंच गई। हादसे में घायल लोगों को गोवा मेडिकल कॉलेज और मापुसा स्थित नॉर्थ गोवा डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस हादसे में जान गंवाने वाले पीड़ितों के प्रति शोक जताया है। श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर लिखा, "गोवा के शिरगांव में भगदड़ के कारण हुई मौतों से दुखी हूं। अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना, घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता

हूं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है।" गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत अस्पताल पहुंचे हैं। उन्होंने घायलों का मुफ्त इलाज करने को कहा है। घटना पर गोवा कांग्रेस ने भी दुख जताया है। यह हादसा उस समय हुआ जब भारी भीड़ के बीच अचानक अफरा–तफरी फैल गई, जिससे लोग जान बचाने के लिए इधर–उधर भागने लगे तथा भगदड़ मचने के कारण लोग एक–दूसरे पर गिरते चले गये जिससे लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंचीं और तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया है। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने अभी तक भगदड़ के पीछे की वजह की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक, भीड़ ज्यादा होने और उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण यह हादसा हुआ।

किसानों की समस्याएं दूर करने व्यवस्थाएं बनाने की आवश्यकता- यादव

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले में आज कृषि उद्योग समागम आयोजन के पहले मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि किसानों की समस्याओं को दूर करने और उचित फसल प्रबंधन के लिए व्यवस्थाएं बनाने की आवश्यकता है और इसी को देखते हुए अंचल वार इस प्रकार के आयोजन की योजना है। डॉ यादव ने अपने बयान में कहा कि आधुनिक तकनीक की मदद से कृषि विकास के लिए आज मंदसौर की सीतामऊ विधानसभा में बड़ा आयोजन किया जा रहा है। कई बार जब उत्पादन अधिक हो जाता है तो किसानों को या तो औने–पौने दामों पर अपनी फसलें बेचनी पड़ती हैं या फिर फसल को फेंकना पड़ता है। ये बहुत दुखद स्थिति होती है। उन्होंने कहा कि अब हम नई तकनीक अपना कर कृषि क्षेत्र में और विकास कर सकते हैं। इस प्रकार की दुखद परिस्थितियों से निपटने और उचित कृषि प्रबंधन की बहुत ज्यादा आवश्यकता है, ताकि किसानों को इस प्रकार की स्थिति का सामना नहीं करना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार की अंचल वार आयोजन की योजना है। मालवा अंचल के मंदसौर के बाद महाकौशल अंचल के जबलपुर, चंबल अंचल और उसके बाद भोपाल के पास सीहोर में अक्टूबर में इस प्रकार के बड़े आयोजन की योजना है। इसके पीछे भाव ये है कि खाद्य और कृषि प्रसंस्करण में भी मध्यप्रदेश आगे जाए। उन्होंने अपील की कि जो लोग इस क्षेत्र में आगे आना चाहते हैं, वे इन आयोजनों में भाग लें।

राहुल ने गोवा में भगदड़ में श्रद्धालुओं की मौत पर जताया शोक

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गोवा के एक मंदिर में भगदड़ के कारण श्रद्धालुओं की मौत पर शोक व्यक्त करते हुए परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। श्री गांधी ने शनिवार को कहा, "गोवा के शिरगांव स्थित लैराई देवी मंदिर में वार्षिक यात्रा के दौरान भगदड़ में कई श्रद्धालुओं की मृत्यु और अनेक के घायल होने का समाचार बहुत दुखद है। सभी शोकाकुल परिजनों को अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। साथ ही, सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करता हूं।" कांग्रेस पार्टी ने अपने आधिकारिक"एक्स' पेज पर कहा, "गोवा के शिरगांव में श्री लैराई जात्रा के दौरान मची भगदड़ में कई श्रद्धालुओं की मृत्यु की खबर बेहद पीड़ादायक है। वहीं, इस दुर्घटना में कई लोगों के घायल होने की सूचना भी मिल रही है। कांग्रेस की संवेदनाएं इस दुख की घड़ी में शोकाकुल परिजनों के साथ हैं।

दक्षिणी चिली में महसूस किये गये भूकंप के तेज झटके, सुनामी की चेतावनी जारी

सैंटियागो, एजेंसी। चिली के दक्षिणी समुद्री क्षेत्र में शुक्रवार को तेज झटके महसूस किये गये। रिक्टर पैमाने पर शक्तिशाली भूकंप की तीव्रता 7.5 मापी गयी। जिसके बाद अधिकारियों ने मैगलन क्षेत्र में सुनामी की चेतावनी जारी की है। चिली विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने कहा कि शक्तिशाली भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 8.58 बजे महसूस किया गया, जिसका केंद्र देश के सबसे दक्षिणी शहर प्यूर्टो विलियम्स से 218 किमी दक्षिण में जमीनी सतह से 10 किमी की गहराई पर स्थित था और आसपास के इलाकों में भी महसूस किया गया।

अविवादित वरासत मामलों का निस्तारण 15 दिन में अनिवार्य होगा-मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अधिकारियों को निर्देश दिये कि अविवादित वरासत के मामलों का निस्तारण अधिकतम 15 कार्यदिवस के भीतर किया जाए।

राजस्व विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में शनिवार को मुख्यमंत्री ने दो महत्वपूर्ण बिंदुओं 'राजस्व वादों के समयबद्ध निस्तारण और भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण' को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि इन कार्यों को प्रत्येक स्तर पर तीव्र गति से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि भूमि संबंधी विवादों का शीघ्र समाधान न केवल जनविश्वास, बल्कि राज्य में निवेश और विकास के लिए भी आवश्यक है, वहीं लैंड रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण पारदर्शी, भ्रष्टाचार–मुक्त और उत्तरदायी शासन प्रणाली की नींव है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि शेष भू–अभिलेखों का डिजिटलीकरण शीघ्र पूर्ण किया जाए और शहरी क्षेत्रों का लैंड

रिकॉर्ड तैयार कर उसे प्राथमिकता से ऑनलाइन पोर्टल पर सार्वजनिक किया जाए। उन्होंने राजस्व परिषद के पोर्टल की रीडिजाइनिंग की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि यह अधिक उपयोगकर्ता अनुकूल और परिणाममूलक होना चाहिए। साथ ही लेखपाल से लेकर आयुक्त स्तर तक एकीकृत डैशबोर्ड विकसित करने का निर्देश दिया, ताकि विभागीय निगरानी सरल हो सके और आमजन को सीधा लाभ मिले। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्राधिकरणों के लैंडयूज डेटा को खतौनी पर प्रदर्शित किया जाए और धारा 80 के अंतर्गत भू–उपयोग परिवर्तन प्रक्रिया को सरल व पारदर्शी बनाया जाए।

नामांतरण वादों को पूर्णतः ऑटोमेट किए जाने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे नागरिकों को सुगमता और समयबद्ध न्याय प्राप्त होगा। उन्होंने चकबंदी प्रक्रिया में तकनीकी हस्तक्षेप और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, साथ ही सावधान किया कि चकबंदी की जटिलताओं के कारण गंभीर सामाजिक विवाद जन्म ले सकते हैं, अतः इसे अत्यंत संवेदनशीलता से निपटाया जाए।

योगी ने यह भी स्पष्ट किया कि रियल टाइम खतौनी, आधार सीडिंग, किसान रजिस्ट्री, पैमाइश और खसरा पड़ताल से जुड़े सभी लंबित प्रकरणों का समाधान तय समय सीमा में अनिवार्य रूप से किया जाए। इसके लिए आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त मानव संसाधन की व्यवस्था की जाए।

विभाग द्वारा प्रस्तुत जानकारी के अनुसार, विगत वर्ष में ही 36 लाख से अधिक जाति, निवास एवं आय प्रमाण पत्र निर्गत किए गए, जिनमें से 85 प्रतिशत आवेदन सात कार्यदिवसों के भीतर ऑनलाइन निस्तारित हुए। मुख्यमंत्री ने इस प्रगति को सराहनीय बताया और सेवा वितरण को और अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाए जाने के निर्देश दिए।

प्राकृतिक आपदा की स्थिति में त्वरित सहायता के लिए मुख्यमंत्री ने विभाग की सराहना करते हुए बताया कि वर्ष 2023–24 में 3.5 लाख से अधिक प्रभावित परिवारों को डीबीटी के माध्यम से सहायता राशि उपलब्ध कराई गई। उन्होंने निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के सभी लंबित आवेदन अगले 10 कार्यदिवसों में पूर्ण रूप से निस्तारित किए जाएं।

सरकार ने भारत में पाकिस्तान से हर तरह के माल के आयात और ट्रांजिट पर लगायी रोक

नयी दिल्ली,एजेंसी। भारत सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा और लोक नीति को ध्यान में रखते हुए पाकिस्तान के साथ हर प्रकार के माल के आयात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। यह पाबंदी पाकिस्तान के ऐसे माल पर भी लागू होगी जो भारत के रास्ते किसी और जगह भेजा जा रहा हो। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की एजेंसी विदेश व्यापार महानिदेशालय की अधिसूचना के अनुसार पाकिस्तान में बनी या वहां से निर्यात की जाने वाली सभी

वस्तुओं के वहां से सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से किए जाने वाले सभी निर्यात या ऐसे माल को भारत के रास्ते कहीं और भेजे जाने (ट्रांजिट) पर कल से रोक लागू की जाती है। यह रोक वहां से मुक्त रूप से मंगायी जा सकने वाली या अन्य प्रकार से मंगाई जाने वाली – हर तरह की वस्तु पर लागू होगी। अधिसूचना में कहा गया है कि यह निर्णय राष्ट्रीय सुरक्षा और लोक नीति के हित में लिया गया है। इस निर्णय को लागू करने के लिए विदेश व्यापार नीति 2023 में आवश्यक संशोधन अधिसूचित किए गए हैं। इस प्रतिबंध के किसी भी विकल्प के लिए सरकार से अनुमति अनिवार्य होगी। गौरतलब है कि जम्मू–कश्मीर में पहलगाम में पिछले पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवादी हमले के बाद भारत में पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त प्रतिबंधात्मक कदम उठाए हैं। भारत ने पाकिस्तान को उड़ानों के लिए अपने वायु मार्ग का इस्तेमाल करने से रोक दिया है। वहीं, पाकिस्तान ने भी भारत के व्यापार और यात्री एयरलाइनों के लिए अपने वायु मार्ग के इस्तेमाल नहीं करने देने का निर्णय लिया है।

नहीं चलेगी प्राइवेट स्कूलों की मनमानी

दिल्ली कैबिनेट ने स्कूल फीस एक्ट को दी मंजूरी

नई दिल्ली, संवाददाता। दिल्ली कैबिनेट द्वारा सभी निजी स्कूलों की फीस वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए स्कूल फीस एक्ट को मंजूरी दे दी गई है। इसके बाद सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि इस एक्ट के जरिए सभी 1677 स्कूलों की फीस पारदर्शी तरीके से नियंत्रित की जाएगी। पिछली सरकारों के कार्यकाल में लगातार फीस में बढ़ोतरी होती रही है। पहली बार किसी सरकार ने यह एक्ट बनाया है।

उन्होंने दावा किया कि जल्द ही ऐसा समय आएगा जब दिल्ली सरकार इतनी व्यवस्थित हो जाएगी कि लोग अपने बच्चों को निजी स्कूलों की बजाय सरकारी स्कूलों में भेजने के लिए मजबूर हो जाएंगे। हम जल्द ही सदन बुलाकर एक्ट पर मुहर लगाकर इसे दिल्ली की जनता को सौंप देंगे।

मंत्री आशीष सूद ने कहा कि आप सरकार से अलग हमारी सरकार ने उन रास्तों को बंद कर दिया है, जिनके जरिए बच्चों को लूट का माध्यम बनाया जाता था। पिछली सरकार भी ऐसा कर सकती थी, लेकिन अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए उन्होंने छात्रों पर दबाव बनाकर स्कूलों द्वारा वसूली गई रकम का अंडर टेबल सेटलमेंट किया। उन्होंने कहा कि 27 सालों तक हर साल फीस में लगातार बढ़ोतरी होती रही। हमारी सरकार ने डीएम कमेटी भेजी, जिसके बाद कोर्ट ने पहली बार डीपीएस को फटकार लगाई। हमारा एकमात्र उद्देश्य है कि छात्रों का मानसिक उत्पीड़न बंद हो।

यह नया भारत, घर में घुसकर मारेगा-शेखावत

जोधपुर,एजेंसी। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने दो टूक कहा है कि भारत अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम, समर्थ, सशक्त और स्वतंत्र है और यह नया भारत है जो घर में घुसकर मारेगा।

श्री शेखावत शनिवार को यहां पत्रकारों से बातचीत में पहलगाम आतंकवादी हमले और उसके बाद पाकिस्तान में भय के माहौल से जुड़े सवाल पर यह बात कहते हुए कहा कि पहलगाम की घटना का माकूल जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में भय होना भी चाहिए। गोस्वामी तुलसीदासजी ने रामचरितमानस में लिखा है, 'भय बिनु होई न प्रीत'। उन्हें लगता है कि जब भारत ने उरी और पुलवामा के बाद सर्जिकल स्ट्राइक कर संदेश दिया था कि भारत की भूमि

और बाहर से हमारे विरुद्ध चलने वाली गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा, उसके बाद पिछले पांच–छह साल से कोई बड़ी आतंकवादी घटना नहीं हो पाई थी। अब फड़फड़ाते हुए एक बार फिर ऐसी कायराना हरकत की गई है। उन्होंने कहा कि यह नया भारत है। घर में घुसकर मारेगा। पहलगाम की घटना का माकूल जवाब दिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस बात का खुले में इजहार कर चुके हैं।

पाकिस्तान के नेताओं के गौरी–गजनवी मिसाइल और एटम बम की धमकी देने के सवाल पर श्री शेखावत ने कहा कि गौरी–गजनवी पहले भी थी। गौरी–गजनवी तो भारत में आकर अनेक बार चोट खाकर गए थे। जब हमने एयर स्ट्राइक की थी, तब भी गौरी–गजनवी मिसाइल थी। उन्होंने कहा कि आज से हजार साल पहले भी हमारे पूर्वजों ने इनको ठीक सबक सिखाया था। एक बार फिर गौरी–गजनवी को हमारी अग्नि और ब्रह्मोस प्रतिकूल जवाब देंगी। उन्होंने कहा "दुनिया के देश, जिन्होंने आतंकवाद का दर्द और दंश झेला है, इस समय भारत के साथ में खड़े हैं। विश्व इस बात को स्वीकार कर रहा है कि आतंकवाद की जड़ें पाकिस्तान में पालित पोषित और सिंचित हो रही हैं। अमेरिका ही नहीं, दुनिया के सभी देश पूरी ताकत के साथ भारत के साथ खड़े हैं, लेकिन मैं यह कहूंगा कि कोई खड़ा हो या न हो, भारत अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम भी है, समर्थ भी है, सशक्त भी है और स्वतंत्र भी है।" सिंधु जल संधि निलंबित करने के सवाल पर श्री शेखावत ने कहा कि पिछले सभी युद्धों के समय भी हमने सिंधु जल संधि की पवित्रता पर आंच नहीं आने दी थी लेकिन प्रधानमंत्री का स्पष्ट कहना है कि अब समय आ गया है, जब रक्त और पानी, दोनों साथ नहीं बहेंगे।

बारिश ने खोली व्यवस्थाओं की पोल, जलमग्न हुए तीर्थनगरी के मार्ग

मोरना। प्राचीन तीर्थनगरी शुकतीर्थ में जल निकासी की कोई व्यवस्था न होने के कारण शुक्रवार की सुबह हुई बारिश ने व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। मुख्य मार्ग जलमग्न हो गये, जहां से श्रद्धालुओं का निकलना बंद हो गया। घंटों तक तीर्थनगरी के मार्ग अवरूद्ध रहे तथा जलभराव के दौरान कई वृद्ध साधु गिरकर घायल हो गये। शुक्रवार की सुबह हुई थोडी सी बारिश से ही नगरी के मुख्य मार्ग जलमग्न हो गये, जिससे आने जाने वाले श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड रहा है। बार बार शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान न होने पर नगरवासियों ने मुख्यमंत्री से तीर्थनगरी में जलभराव की समस्या के समाधान की मांग की है। ऐतिहासिक महाभारतकालीन पैराणिक

तीर्थनगरी शुकतीर्थ विश्वप्रसिद्ध तीर्थस्थल है। शुकतीर्थ में देश के कोने कोने से श्रद्धालु विभिन्न आश्रमों व मंदिरों में भागवत कथा कराने के लिए आते हैं। हाल ही में शुकतीर्थ विकास परिषद का गठन किया गया है किन्तु शुकतीर्थ में जलभराव की समस्या पिछले काफी समय से बनी हुई है। शुकतीर्थ प्रत्येक मार्ग पर जलभराव से नगरी की सुन्दरता प्रभावित हो रही है। करोडों रूपये खर्च करने के बावजूद जलभराव और गंदगी की समस्या जस की तस बनी हुई है। शुक्रवार की सुबह हुई थोडी सी बारिश ने सरकार की सफाई व्यवस्था और जलनिकासी की पोल खोल कर रख दी है। साधु संतों के अनुसार तीर्थनगरी में जलभराव की समस्या के लिए अभी तक कोई कदम नहीं उठाया गया है। मुख्य मार्गों के केवल एक ओर नाला बनाया गया है जो सिर्फ दिखावे के लिए ही है। बडी लागत लगाकर बनाए गये नाले से पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। गंदा पानी सडकों पर फैल रहा है, जिससे सडकें टूट रही है। साथ ही नाले का पानी किस ओर जाए, ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की गई है। बारिश से नगरी की सभी कॉलोनियों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिसके कारण नगरीवासियों व श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गंगा घाट तक जाने वाला मुख्य मार्ग बारिश के बाद जलमग्न हो गया तथा वहां से आने जाने वाले श्रद्धालुओं को गंदे पानी से होकर गुजरना पड रहा है। ऐसे में सवाल खड़ा होता है कि जहां प्रशासन एक ओर शुकतीर्थ को पर्यटननगरी के रूप में विकसित करने की जोर–शोर से तैयारियां कर रहा है। मगर बुनियादी तौर पर स्थिति बद से बदतर है। जलभराव की समस्या से तीर्थवासी त्रस्त हैं। प्रसिद्ध तिलकधारी आश्रम के सामने, गायत्री धाम, शिव धाम कॉलोनी, दुर्गा धाम कॉलोनी, समनदास आश्रम की ओर जाने वाले मार्गों पर गंदा पानी बह रहा है। जलभराव के कारण नागरिकों का वहां से गुजरना दूभर हो रहा है। इसके अलावा हनुमत धाम मार्ग पर जलभराव की समस्या से नागरिक हलकान है। जलभराव के कारण तीर्थनगरी की छवि को नुकसान हो रहा है। शुकतीर्थ में काफी लंबे समय से इस जलभराव की समस्या से लोग जूझ रहे हैं। शासन–प्रशासन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जलभराव की समस्या का जल्द से जल्द निवारण करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि एक बारिश ने ही साबित कर दिया है कि प्रशासन बारिश के पानी की जल निकासी के लिए गंभीर नहीं है। बार–बार उच्च अधिकारियों को समस्या से अवगत कराने के बाद भी इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिससे लोगों में रोष व्याप्त है। गंदे पानी में बदबू एवं मच्छर पनप रहे हैं, जिससे नगरीवासियों में बीमारियों का खतरा पैदा हो गया है। नालियों का यह हाल है कि वह तालाबों में तब्दील हो चुकी हैं। रास्ते से निकलने पर आने–जाने वालों को और बच्चों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। नालियों के बीच गंदे पानी से होकर यहां के लोगों को गुजरना पड़ता है।

पेट्रोल पंप मैनेजर ने रंगदारी मांगने वालों पर दर्ज कराया केस, मामले की छानबीन में जुटी पुलिस

प्रयागराज। पेट्रोल पंप के मैनेजर की तहरीर पर पुलिस ने रंगदारी मांगने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। वहीं, दूसरे पक्ष के लोगों ने बीते 29 अप्रैल को इसी मामले में पेट्रोल पंप के मैनेजर और कर्मचारियों पर मारपीट और छिनैती का केस दर्ज कराया था। पेट्रोल पंप के मैनेजर की तहरीर पर पुलिस ने रंगदारी मांगने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। वहीं, दूसरे पक्ष के लोगों ने बीते 29 अप्रैल को इसी मामले में पेट्रोल पंप के मैनेजर और कर्मचारियों पर मारपीट और छिनैती का केस दर्ज कराया था। थरवई क्षेत्र के पंडिला में आर्यन पेट्रोल पंप पर 28 अप्रैल की रात करीब साढ़े 11 बजे अनुराग त्रिपाठी एवं आस्तिक त्रिपाठी पेट्रोल भराने आए। कर्मियों ने पेट्रोल देने से मना किया तो आरोपियों ने गाली गलौज की। साथ ही पेट्रोल पंप पर बैठकर रंगदारी मांगने लगे और पंप को फूंक देने की धमकी दी। आरोप है कि अगले दिन भी आरोपी पेट्रोल पंप के आसपास टहलते दिखे। मैनेजर अखिलेश यादव की तहरीर पर पुलिस ने रंगदारी मांगने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। 29 अप्रैल को इसी मामले में अनुराग त्रिपाठी की तहरीर पर पेट्रोल पंप कर्मियों के खिलाफ मारपीट करने व चेन छीनने का मुकदमा दर्ज किया जा चुका है।

पीठासीन अधिकारी पर बेबुनियादी आरोप लगाने पर पांच हजार रुपये जुर्माना के साथ याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पीठासीन अधिकारी पर लगाए गए आरोप आधारहीन और बिना किसी ठोस प्रमाण के हैं। ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है, जिससे यह कहा जाए कि पीठासीन अधिकारी पक्षपाती हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पीठासीन अधिकारी पर लगाए गए आरोप आधारहीन और बिना किसी ठोस प्रमाण के हैं। ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है, जिससे यह कहा जाए कि पीठासीन अधिकारी पक्षपाती हैं। मामले की सुनवाई में विलंब होता है तो वह चिंता का विषय हो सकता है, किंतु यह पक्षपात का प्रमाण नहीं है। पीठासीन अधिकारी और प्रतिवादी के बीच मिलीभगत का आरोप आपराधिक अवमानना की सीमा को छूता है। ऐसे आरोप स्वतंत्र अभिव्यक्ति के अधिकार का उपयोग नहीं, बल्कि अनुशासनहीनता और मर्यादाहीनता का प्रदर्शन हैं, जो एक सभ्य समाज के लिए अनुपयुक्त हैं। यह टिप्पणी करते हुए न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की पीठ ने पांच हजार रुपये जुर्माना लगाते हुए याचिका खारिज दी।

सख्त मिट्टी पर अंधेरे में कैसे अभ्यास करें खिलाड़ी

प्रयागराज। मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में खिलाड़ियों के लिए इंतजार करना नियति बन गई है। खिलाड़ियों ने पहले सिंथेटिक ट्रैक के लिए चार साल इंतजार किया। सिंथेटिक ट्रैक के निर्माण के लिए स्टेडियम से क्रिकेट को विदा कर दिया गया और क्रिकेट के प्रशिक्षक भी हटा दिए गए। सिंथेटिक ट्रैक बन गया तो अब खिलाड़ी स्टेडियम में लगी फ्लड लाइट के रोशन होने का इंतजार कर रहे हैं। खिलाड़ी अपनी प्यास बुझाने के लिए बोतल में पानी लेकर आते हैं। नलकूप न चलने से मैदान की मिट्टी इतनी सख्त हो गई है कि खिलाड़ी आए दिन चोटिल हो जाते हैं।

पहले सिंथेटिक ट्रैक का इंतजार किया। अब फ्लड लाइट से स्टेडियम के रोशन होने और नलकूप के चालू होने का इंतजार करना पड़ रहा है। और कितना इंतजार करना पड़ेगा, किसी को नहीं पता। स्टेडियम में अभ्यास के लिए प्रतिदिन सैकड़ों खिलाड़ी आते हैं। सुबह खिलाड़ी अभ्यास कर चले जाते हैं। शाम को अभ्यास के दौरान सूर्यास्त होने लगता है तो लगभग हर खिलाड़ी स्टेडियम में लगी फ्लड लाइट की तरफ देखता है। सभी खिलाड़ी एक ही सवाल करते हैं, फ्लड लाइट कब जलेगी। फ्लड लाइट जलती तो और देर तक अभ्यास करते।

करोड़ों की लागत से स्टेडियम में फ्लड लाइट के लिए खड़े किए गए चार टावर बस शोपीस बनकर रह गए हैं। पूछने पर जल्द स्टेडियम रोशन होने का आश्वासन मिलता है। इसी तरह स्टेडियम के बाहर जिमखाना के पास बनाए गए मिनी नलकूप से भी पानी का इंतजार किया जा रहा है। फ्लड लाइट के साथ नलकूप का निर्माण किया गया, लेकिन यह आज तक नहीं चालू हो सका। जब स्टेडियम में अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों से बात की गई तो उन्होंने बताया कि स्टेडियम का सिंथेटिक ट्रैक तैयार होने में चार साल लग गए। टावर खड़ा है, लाइटें लग गई हैं, लेकिन इसमें बिजली का कनेक्शन ही नहीं है। बिजली कनेक्शन नहीं होने से फ्लाइड लाइट की तरह नलकूप भी बंद पड़ा है। अभ्यास के दौरान पीने के लिए बोतल में पानी लेकर आते हैं। ग्राउंड की मिट्टी नरम रखने के लिए नियमित पानी का छिड़काव होना चाहिए। स्थिति यह है कि जब यहां पीने का पानी नहीं मिलता तो ग्राउंड पर छिड़काव कैसे हो। सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं है। जालियों से घिरे ग्राउंड में कोई भी आकर घूमने लगता है। खिलड़ियों की तरह प्रशिक्षक भी फ्लड लाइट के जलने, नलकूप से पानी मिलने के साथ स्टेडियम में अधूरे कामों के शीघ्र पूरा होने का इंतजार कर रहे वर्षों में पूरा नहीं कर पाया। कई खिलाड़ियों का कहना है कि जिमखाना क्लब से कमाई के चक्कर में सभी काम समय से पूरे किए गए। जिमखाना क्लब से प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड की कमाई हो रही है। सरकारी स्टेडियम से कमाई की उम्मीद नहीं थी तो काम बहुत धीमी गति से किया।

मैदान में लाइट नहीं रहती, जिससे शाम 6.30 बजे के बाद प्रैक्टिस नहीं कर पाते। लाइट हो तो दो घंटे और प्रैक्टिस का समय मिल सकता है। –आकाश

यहां ट्यूबवेल तो है लेकिन चलता नहीं है, जिसके कारण खिलाड़ियों को पानी की दिक्कत होती है, मैदान की तराई भी नहीं हो पाती, धूल उड़ती रहती है। प्रशिक्षकों का कहना है कि सभी काम समय से होते तो स्टेडियम में अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों के खेल का स्तर सुधर जाता। जहां से होती है कमाई वो काम समय से पूरा प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने कोरोना के पहले यहां काम शुरू किया। कंपनी ने स्टेडियम से सटे जिमखाना क्लब को नए सिरे से विकसित किया। कंपनी ने यहां टेनिस व अन्य कोर्ट बनाए। जिमखाना क्लब के सभी काम समय से पूरे कर दिए गए। वही प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड सरकारी स्टेडियम व इससे जुड़े काम है।–यदुजीत यादव

मैदान सूखा पड़ा है। धूल उड़ती रहती है। गड्ढे बन गए हैं। पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। पीने का पानी भी खुद अपने साथ लेकर आना पड़ रहा है।–रुद्र पांडेय

एक साल से ट्यूबवेल नहीं चला है, पानी के अभाव में घास सूख गई है और मैदान की मिट्टी सख्त हो गई है। खिलाड़ी गिरते हैं तो चोट लग जाती है। –अश्वनी यादव

मैदान में जब लाइट लगी थी तभी चेक करने के लिए जलाई गई थी, उसके बाद लाइट नहीं जली। रोशनी न होने से शाम के बाद अभ्यास नहीं कर पाते।–श्वेतांग त्रिपाठी

मैदान की मिट्टी सूख कर सख्त हो गई है। मैदान में झाड़–झंखाड़ के कारण प्रशिक्षण में काफी परेशानी होती है। न बिजली की व्यवस्था है न पानी की।–विजेन्द्र प्रताप सिंह

खिलाड़ी मात्र दो घंटे से भी कम समय अभ्यास कर पाते हैं। अगर मैदान में प्रकाश की व्यवस्था हो जाए और नलकूप चलने लगे तो काफी सहूलियत होगी। – अफसर अहमद

विभिन्न जनपदों से आए खिलाड़ी यहां किराए पर रह रहे हैं, जो कुछ बनना चाहते हैं। बिजली–पानी की सुविधा न होने से खिलाड़ी काफी निराश हैं। – मोहम्मद अहमद

जो पानी हम साथ लेकर आते हैं, वह एक घंटे भी नहीं चलता, उसके बाद बिना पानी के रहना पड़ता है। ट्यूबवेल चल जाए तो मैदान की भी तराई हो। – यश यादव

दो लीटर पानी की बोतल लेकर आते हैं लेकिन जल्द ही खत्म हो जाता है। ट्यूबवेल चले तो लोगों की पानी की समस्या दूर हो और मैदान भी न सूखने पाए। –

सूर्यांश मिश्र मैदान में रोशनी न होने से शाम को दिक्कत होती हैं। न फ्लड लाइट जलती है न ट्यूबवेल चलता है। एक बोतल पानी लेकर आते हैं जो कम पड़ जाता है। – अजय यादव

पानी न पड़ने से मैदान की मिट्टी इतनी सख्त हो गई है कि चोट लगने का खतरा बना रहता है। मैदान में धूल उड़ती रहती है, जिससे परेशानी होती है। –दया

तराई न होने से मैदान इतना सख्त हो गया है कि खेल के उपकरण टूट जाते हैं। डिस्कस थ्रो के लिए उपकरण कई बार लोग अपने खर्च से खरीद चुके है। –सौरभ यादव

खिलाड़ियों के लिए मैदान पर बिजली–पानी की व्यवस्था जरूरी है। लोग पानी के लिए परेशान रहते हैं, गर्मी में पानी की ज्यादा जरूरत होती है लेकिन पानी नहीं मिल पाता। –ओमप्रकाश यादव

फ्लड लाइट जलती नहीं। मैदान की मिट्टी सख्त हो गई है। पानी की तराई हो तो मैदान खेलकूद के लायक हो सके। पीने के लिए पानी भी साथ लाना पड़ता है। –वरुण राठी

डिस्कस थ्रो की प्लेट सख्त मैदान के कारण टूट जाती है, खिलाड़ियों की परेशानी को देखते हुए अपने प्रयास से प्लेट खरीद कर लानी पड़ती है। –अंशू राय

शाम होते ही मैदान में अंधेरा छा जाता है। जब प्रैक्टिस का समय होता है, उसी वक्त मजबूरन लौटना पड़ता है। फ्लड लाइट न जलने से परेशानी होती है। –अरुण सिंह

शौचालय एवं वॉशरूम न होने से महिला खिलाड़ियों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। खिलाड़ी पीने के पानी के लिए भी परेशान रहते हैं। –रेनू यादव

मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में फ्लड लाइट शीघ्र चालू करने का प्रयास हो रहा है। बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन पहले ही कर दिया गया। मीटर का काम चल रहा है। उम्मीद है 15 मई तक स्टेडियम की फ्लड लाइट चालू हो जाएगी। जिमखाना क्लब के पास नलकूप काम के दौरान लगाया गया था। यहां से वाटर सप्लाई की पहले कोई योजना नहीं थी। संजय रथ मिशन मैनेजर, प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड

प्रयागराज स्मार्ट सिटी के अधिकारी को स्टेडियम में फ्लड लाइट चालू करने के लिए कहा है। कंपनी के अधिकारी का कहना है कि बिजली विभाग को ट्रांसफॉर्मर लगाना है। ट्रांसफॉर्मर लगाने के बाद ही लाइट चालू होगी। बिजली का कनेक्शन मिलते ही नलकूप भी चालू हो जाएगी। –प्रेम कुमार, क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी प्रयागराज

–स्मार्ट सिटी के तहत स्टेडियम का कोई काम पूरा नहीं हुआ।
–स्टेडियम में निर्माण सामग्री बिखरी होने से अभ्यास में दिक्कत।
–लापरवाही के कारण फ्लड लाइट चालू नहीं हो पा रही है।
–नलकूप चालू नहीं होने के चलते बाहर से पानी लाना पड़ता है।
–पानी का छिड़काव नहीं होने से मैदान की मिट्टी ठोस हो गई है।
–फ्लड लाइट जल्द चालू की जाए।
–नलकूप से पानी की सप्लाई शुरू हो।
–जिमखाना के पास अभ्यास स्थल पर सुरक्षा हो।
–सटेडियम के बाहर ग्राउंड पर लाइट लगाई जाए।
–स्टेडियम का काम पूरा कर निर्माण सामग्री हटाएं।

प्रदेश में मोटा अनाज उत्पादन से किसानों को हो रहा है लाभ

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश में ज्वार, बाजरा, कोदो, सावाँ, रागी/मडुआ आदि मोटे अनाज की खेती, प्रसंस्करण और उपभोग बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने ''उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम'' को मंजूरी दी है। इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट 2023 के मद्देनजर लॉन्च की गई इस नई योजना के तहत 05 सालों में प्रदेश सरकार 18626.50 लाख रूपये खर्च कर रही है। इस कार्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है मिलेट की खेती को बढ़ावा देते हुए क्षेत्राच्छादन, उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाते हुए किसानों की आय में भी इजाफा करने के लिए वैल्यू एडीशन और मार्केटिंग के जरिए मिलेट को आम जनता की थाली तक पहुंचाना है, जिससे उन्हें संतुलित आहार अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

मिलेट्स यानी मोटा अनाज की खेती और उपभोग को प्रोत्साहित करने के लिये उत्तर प्रदेश सरकार ने ''उ०प्र० मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम'' के संचालन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।

उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम नामक यह नई योजना वर्ष 2022–23 से वर्ष 2026–27 तक संचालित की जा रही है। कार्यक्रम क्रियान्वयन की इस अवधि में 18626.50 लाख रुपये का अनुमानित खर्च आंकलित है, जिसे राज्य सरकार वहन कर रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने मिलेट्स को ''श्री अन्न'' नाम देते हुए अधिक से अधिक लोगों को खाद्यान्न में अपनाने पर बल दिया है। केन्द्र सरकार द्वारा खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के तहत मिलेट्स के उपभोग के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए वर्ष 2023 को अन्तर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष (इण्टरनेशनल ईयर आफ मिलेट्स) के रूप में मनाये जाने का निर्णय लिया गया था। प्रदेश सरकार ने प्रदेश में संचालित प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वावलम्बन (एग्रीजंक्शन) योजना को अगले 5 साल के लिए संचालित करने के प्रस्ताव को अनुमति प्रदान कर दी है। कृषि क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं की सेवाओं का उपयोग कर कृषि सेक्टर में रोजगार सृजन को बढ़ाने के उद्देश्य से यह योजना क्रियान्वित की गई है।

सरकार ने औद्योगिक भूमि की आवश्यकता को सुनिश्चित कराने के लिये निजी औद्योगिक पार्क के विकास की योजना के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान कर दी है। इसे निजी प्रवर्तक के द्वारा बिल्ड ओन आपरेट (बीओओ) के आधार पर संचालित किया जाएगा। एमएसएमई इकाईयों के द्वारा कृषि के बाद सबसे अधिक रोजगार का सृजन कियां जाता है। वर्तमान में प्रदेश में ऐसी 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां हैं, जिन्हें और अधिक बढ़ाया जा रहा हैं। निजी औद्योगिक पार्क के भू–खण्डों के आवंटन, संचालन तथा मूलभूत अवस्थापना सुविधाओं के रख–रखाव का सम्पूर्ण दायित्व निजी प्रवर्तक का होगा। योजना के अन्तर्गत निजी प्रवर्तकों द्वारा 10 एकड से 50 एकड़ तक की भूमि पर औद्योगिक पार्क विकसित करने का प्रस्ताव भूमि के स्वामित्व के कागजात एवं आगणन सहित जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द्र को उपलब्ध कराया जाएगा। चयनित भूमि का भू उपयोग औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिये होना चाहिए। इनमें मिलेट्स इकाइयां भी स्थापित होगी।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किसानों, कृषि के क्षेत्र में बढ़ावा देने के लिए राज्य में कई प्रकार की योजनाएं संचालित की गई है ताकि गरीब किसानों की आय में वृद्धि हो सके। प्रदेश में किसानों के लिए आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना 2023 को भी शुरू किया गया है। राज्य सरकार द्वारा ''उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम पोर्टल को शुरू किया गया है इस पोर्टल के तहत राज्य में मिलेट्स में अर्थात मोटे अनाजों के उत्पादन में बढ़ावा प्रदान करने के लिए राज्य में किसानों को प्रोत्साहन प्रदान किया जा रहा है। देश में मोटे अनाज की बढ़ती हुई मांग को लेकर यूपी सरकार ने इस पोर्टल को शुरू किया है और इस पोर्टल में राज्य के किसान एवं जनता को लाभ प्रदान किया जाएगा।

योजना के तहत मोटे अनाजों जैसे–ज्वार, बाजरा, कुट्टू, मडुआ, कोदो, सांवा, रागी आदि जो भी मोटे अनाजों की खेती करने के लिए किसानों को मोटे अनाजं के उत्पादन के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। जिसके तहत किसानों की आय में भी वृद्धि हो रही है। मिलेट्स उत्पादन में भारत का दुनिया में पहला स्थान है। पोर्टल के तहत राज्य की जनता को मोटे अनाजों का उपयोग करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इस पोर्टल में सरकार द्वारा मिलेट्स बीज उत्पादन के लिए 4 लाख रूपए की सीड मनी को इस योजना के तहत संचालन हेतु देय है। इच्छुक नागरिक योजना की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर लाभ प्राप्त कर सकते है। योजना में आवेदन करने के लिए पात्रताओं में जो उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हो और किसान के पास 20 हेक्टेयर की जमीन होनी चाहिए। जिसमें वह मोटे अनाज का उत्पादन कर सके। जो भी आवेदक इस पोर्टल पर आवेदन करेगा उसका एफ.पी.ओ पंजीकृत और ग्रेडिंग पास होना जरुरी है। किसान के पास कृषक उत्पादन संगठन करीब दो साल पुराना होना चाहिए। एफ. पी.ओ में करीब 300 शेयर तथा एक साल का टर्न ओवर लगभग दस लाख तक होना चाहिए। किसान को फसल के बीज का उत्पादन करने या मिलेटस बीज तथा विवरण एक्सपीरियन्स होना चाहिए, जिससे की यह आसानी से मोटे बीजों का उत्पादन कर सके।

प्रदेश में किसान मोटे अनाजों का उत्पादन करें इसके लिए उनको प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए ज्वार, सांवा, बाजरा मडुआ, कोदो आदि मोटे अनाजों के बीजों को मुफ्त में प्रदान किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2024–25 में 2,47000 बीज मिनी किट निःशुल्क वितरित किया गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत 554 किसानों को प्रशिक्षण 62 बीज उत्पादन पर एफ0पी0ओ0 का प्रशिक्षण, 2646ग्राम पंचायतों पर किसान पाठशाला का आयोजन एवं 34 एक्सपोजर विजिट आदि कार्यक्रम कराये गये।

बदलते मौसम में रेल पटरी में दरार का खतरा, लगा रहे कट

प्रयागराज। तेज धूप और गर्म हवाओं ने न केवल प्रयागराज के लोगों को परेशान किया है, बल्कि रेलवे ट्रैक पर भी खतरे की घंटी बजा दी है। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव के कारण रेलवे ट्रैक पर बकलिंग (पटरियों के मुड़ने) और रेल फ्रेक्चर (दरार) का खतरा बढ़ गया है। हादसों से बचाव के लिए रेलवे ने अब आधुनिक तरीके से ट्रैक की जांच कर, जरूरत पड़ने पर

पटरियों में कट लगाना शुरू कर दिया है। इससे ट्रैक पर बकलिंग की संभावना काफी हद तक कम हो जाएगी। गौरतलब है कि इस मौसम में तापमान दिन में बहुत अधिक और रात में काफी कम हो जा रहा है, जिससे रेल फ्रेक्चर का खतरा बढ़ गया है। प्रयागराज में ऐसा ही मौसम बना हुआ है। एनसीआर के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि मौजूदा मौसम में रेलवे अतिरिक्त सतर्कता बरत रहा है। ट्रैक की नियमित निगरानी के लिए विशेष मेंटीनेंस टीमें दिन–रात काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि संभावित खतरे को भांपते हुए रेलवे ट्रैक पर कट लगाए जा रहे हैं। इससे ट्रैक के फैलने या सिकुड़ने से होने वाली दरारों और बकलिंग की समस्या को काफी हद तक रोका जा सकेगा। इस वर्ष अब तक 16 रेल फ्रेक्चर के मामले सामने आए हैं। जबकि पिछले वर्ष 25 घटनाएं हुई थीं। हालांकि रेलकर्मियों की सतर्कता से अब तक कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ है। एनसीआर क्षेत्र में पेट्रोलिंग भी बढ़ा दी गई है। कई बार लोको पायलट भी अनुभव से दूर से ही अंदाजा लगा लेते हैं कि आगे ट्रैक में दरार है और समय रहते सतर्क होकर हादसे को टाल देते हैं।

प्रयागराज मंडल में एक साल में नौ लाख यात्रियों से 55 करोड़ जुर्माना वसूला

प्रयागराज। प्रयागराज मंडल में बिना टिकट, अनियमित टिकट, अनबुक लगेज एवं गंदगी फैलाने वालों पर अंकुश लगाने के लिए वित्तीय वर्ष 2024–25 में स्टेशनों एवं ट्रेनों में सघन चेकिंग अभियान चलाये गए। इस दौरान करीब नौ लाख यात्रियों की जांच की गई और उनके विभिन्न आरोपियों में लगभग 58 लाख रुपये जुर्माना वसूला गया। जांच क्रम में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हिमांशु शुक्ला ने प्रयागराज जंक्शन के स्टालों का निरीक्षण किया। स्टेशन पर संचालित खान पान स्टालों की साफ सफाई, खाने की गुणवत्ता, शुद्धता आदि की गहनता के जांच की गई। एक स्टॉल पर जूस पीकर देखा।

भारत सरकार की बीमा योजनाओं से अपने परिवार का भविष्य बीमित करें

प्रतापगढ़सबड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान (आर सेटी) से संबंध वित्तीय साक्षरता एवं ऋण समन्वयक शिशिर खरे ने बताया कि भारत सरकार ने आम आदमी के लिए बीमा योजनाएं शुरू की हैं जो जीवन बीमा और दुर्घटना बीमा प्रदान करती हैं। इन

योजनाओं का उद्देश्य आम आदमी को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है और उन्हें आर्थिक रूप से सुरक्षित रखना है। यह पीएमजेजेबीवाई (प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना) और पीएमएसबीवाई (प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना) दो सरकारी बीमा योजनाएं हैं। इन योजनाओं से जुड़े लोगों को प्रीमियम का भुगतान करना होता है, जो बहुत कम होता है। पीएमजेजेबीवाई रू प्रीमियम – 436 प्रति वर्ष – बीमा कवर ध्2 लाख तथा पीएमएसबीवाई – प्रीमियम 20 प्रति वर्ष – बीमा कवर ध्2 लाख (दुर्घटना मृत्यु या स्थायी विकलांगता के मामले में)। इन बीमा योजनाओं में मई माह में आपको अपने बैंक खाते से ऑटो–डेबिट के माध्यम से प्रीमियम का भुगतान करना होता है। अतः आपको अपने खाते में पर्याप्त राशि रखनी होगी ताकि प्रीमियम का भुगतान हो सके।

शहर समता विचार मंच तिनसुकिया गोलाघाट शाखा की अप्रैल माह 2025 की काव्य गोष्ठी धूमधाम से संपन्न

तिनसुकिया गोलाघाट। शहर समता विचार मंच तिनसुकिया गोलाघाट शाखा की अप्रैल महीने की महिला काव्य गोष्ठी दिनांक 30/4/2025 को शाखा अध्यक्ष आदरणीय रंजना बिनानी जी की

अध्यक्षता में ऑनलाइन सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस काव्य गोष्ठी की मुख्य अतिथि अर्चना जायसवाल जी एवं विशिष्ट अतिथि राधा बिनानी जी रही। मां शारदे की मूर्ति स्थापना दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के पश्चात मां सरस्वती की वंदना सीमा जी सिंघी ने प्रस्तुत की। तत्पश्चात अक्षय तृतीया विषय पर सभी ने अपनी अपनी प्रस्तुतियां देकर मंच को सुसज्जित किया। प्रस्तुति देने वाली बहनों में रंजना बिनानी, सीमा सिंघी ,पूनम अग्रवाल ,एवं सरला बजाज ने अपनी अपनी प्रस्तुतियां दी। प्रत्येक माह गोलाघाट शाखा द्वारा काव्य गोष्ठी का आयोजन किया जाता है। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन सरला बाजाज जी द्वारा किया गया,धन्यवाद ज्ञापन शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी द्वारा दिया गया।

काव्य गोष्ठी के माध्यम से राजेन्द्र तिवारी को दी गई श्रद्धांजलि

प्रयागराज। आज क ल र व श्री राजेन्द्र तिवारी सांस्कृतिक संस्थान के तत्वावधान में कवि, लेखक, नाटककार और आकाशवाणी के लिए नौटंकी आदि लिखने वाले श्री राजेन्द्र तिवारी को उनकी पुण्य तिथि पर एक काव्य गोष्ठी के माध्यम से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन उनके सुपुत्र दिलीप कुमार तिवारी एडवोकेट द्वारा उनके आवास 851/568, मुट्ठीगंज, प्रयागराज में किया गया है। इस अवसर पर कवयित्री मंजू प्रकाश ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत

करके गोष्ठी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर शम्भुनाथ श्रीवास्तव, पंडित राकेश मालवीय मुस्कान, शरद श्रीवास्तव, डाक्टर अजय मालवीय बहार, डाक्टर राम लखन चौरसिया वागीश, प्रियंवदा शुक्ला, आर पी शुक्ल, मंजू प्रकाश और मिली श्रीवास्तव ने काव्य पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन कवि पंडित राकेश मालवीय श्मुस्कानश ने किया। इस अवसर पर दिलीप कुमार तिवारी, सुधीर कुमार तिवारी आदि उपस्थित रहे।

आखिर हटाये गये संभल के सीओ अनुज चौधरी

लखनऊ, (संवाददाता)। संभल में पिछले साल 24 नवंबर को हुई सांप्रदायिक हिंसा के बाद से सुर्खियों में आए पुलिस अधिकारी सीओ अनुज चौधरी का तबादला कर दिया गया है। उन्हें संभल सर्किल से हटाकर अब चंदौसी सर्किल का सीओ बनाया गया है, जो संभल जिले का ही एक क्षेत्र है। अब संभल सर्किल की कमान सहायक पुलिस अधीक्षक एएसपी आलोक भाटी को सौंपी गई है जिन्होंने अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। बदलाव कानून–व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए किया गया है। सीओ अनुज चौधरी सिर्फ संभल की हिंसा को लेकर ही नहीं बल्कि अपने बयान को लेकर भी काफी चर्चा में रहे थे। उन्होंने एक बयान देते हुए कहा था, होली साल में एक बार आती है, लेकिन जुमा की नमाज तो 52 बार आता है। उनके इस बयान को सोशल मीडिया पर खूब वायरल किया गया और इसकी काफी आलोचना हुई थी। विवादों और असंतोष को देखते हुए माना जा रहा है कि उनका तबादला प्रशासनिक दृष्टिकोण से एक संतुलित कदम है।

गोलाघाट में पूर्वोत्तर माहेश्वरी महिला संगठन के पदाधिकारी का भ्रमण

तिनसुकिया गोलाघाट। आज गोलाघाट में पूर्वोत्तर माहेश्वरी महिला संगठन के पदाधिकारी का भ्रमण पर आगमन हुआ, माहेश्वरी महिला संगठन गोलाघाट का ये सौभाग्य है की आज उनका आतिथ्य करने का अवसर मिला, पूर्वोत्तर अध्यक्षा पूनम जी मालपानी सचिव मधु जी झंवर, संगठन मंत्री यश्मी राठी जी का स्वागत धूमधाम से किया गया।

सर्वप्रथम माहेश्वरी भवन की नवनिर्मित तृतीय मंजिल पर उन्हें बैठाया गया, पूर्व अध्यक्षा रंजना बिनानी ने गीत गाकर उनका स्वागत किया, सरला बजाज जी ने उनके स्वागत में अपनी कविता पढ़ी।

यह हमारा परम सौभाग्य रहा की गोलाघाट महिला संगठन द्वारा महेश्वरी भवन में एक रूम डोनेट किया गया था. ..उसकी ओपनिंग आज पूर्वोत्तर से पधारे पदाधिकारीगण के कर कमलों करवाया गया।

तत्पश्चात उसी कमरे में मीटिंग की शुभ शुरुआत गणेश वंद्ना व महेश वंदना के द्वारा की गई। पदाधिकारीयों को मंचासीन कराया गया।

सर्वप्रथम गोलाघाट की सचिव राधा जी बिनानी, अध्यक्षा बिमला जी काबरा को फिर, पूर्वोत्तर से पधारी संगठन मंत्री यश्मी राठी जी , सचिव मधु झंवर जी, अध्यक्षा पूनम जी मालपानी को मंचासीन कराया गया फिर दुपट्टा पहनाकर अतिथियों का सम्मान किया गया. . हमारी सह सचिव मीतू चांडक ने संगठन मंत्री यश्मि राठी जी को, कोषाध्यक्ष कुसुम बजाज ने पूर्वोत्तर सचिव मधु झंवर जी का व निर्वतमान अध्यक्षा रंजना बिनानी ने पूर्वोत्तर अध्यक्षा पूनम मालपानी जी को दुपट्टा पहनाया।

गोलाघाट अध्यक्षा बिमला काबरा के उद्बोधन के साथ मीटिंग की शुरुआत हुई तत्पश्चात सचिव राधा जी बिनानी ने 2023 से 2025 अप्रैल तक की किए गए कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत

किया। पूर्वोत्तर अध्यक्षा पूनम जी मालपानी ने अपने वक्तव्य में युवती समिति बनाने की बात पर रोशनी डाली। हमारी अध्यक्षा बिमला जी काबरा ने यह प्रस्ताव पूनम जी को दिया था ..की युवती समिति बनाई जानी चाहिए.. जिससे की नई–नई बहू बेटियों को अपने टैलेंट को आगे लाने का मौका मिले।

सचिन मधु की झंवर ने इस बात पर रोशनी डाली की पूजा पाठ व तीज त्यौहार के प्रोजेक्ट तो हम हमेशा करते रहते हैं लेकिन कुछ नया करने की हमें कोशिश करनी चाहिए जिससे की.. नई जनरेशन को उसमें इंटरेस्ट जागृत हो। दूसरी बात उन्होंने यह भी कहीं की अखिल से आए प्रोजेक्ट में हमें हिस्सेदारी अवश्य लेनी चाहिए. . जिससे कि हमें भी स्वर्ण रजत और हीरक जैसे पदक मिल सके, वैसे असम प्रदेश अभी कई चीजों में अखिल में अपना नाम रोशन कर चुका। साथ ही गोलाघाट के कार्य शैली की भी भूरी भूरी प्रशंसा की।

संगठन मंत्री रश्मि राठी जी ने एक बहुत सुंदर बात कही कि हम अलग–अलग मंचों से जुड़ते जा रहे हैं लेकिन सबसे पहले हमें अपने घर को यानी कि माहेश्वरी महिला संगठन को सशक्त बनाना चाहिए ,उसके बाद किसी और मंच में यानी समाज के अन्य घटकों में जुड़ना चाहिए। खुला मंच में कई तरह की बातें आज हमें सीखने मिली. . जैसे कि रघुकुल रीत सिद्धा के अंतर्गत क्या कार्य आते हैं कैसे–कैसे कार्यक्रम हमें करनी चाहिए। समय की कमी होने के कारण बहुत कुछ कहने और सुनने को रह गया। सचिव राधा जी बिनानी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हमने सभा की समाप्ति की। संचालन की डोर हमारी निवर्तमान अध्यक्षा रंजना बिनानी जी के हाथों सौपी गई थी जो उन्होंने बहुत ही शानदार व सुचारू रूप से संपन्न की।

मीटिंग के बाद पूर्वोत्तर से पधारे पदाधिकारी को ठंडा और का अल्पाहार कराया गया।

माहेश्वरी भवन के मुख्य द्वार पर आज हमने श्रमिक दिवस के उपलक्ष में जूस वितरण का प्रोग्राम रखा था जिसमें हमारी पूर्वोत्तर की पदाधिकारी ने भी हिस्सेदारी निभाई। हमारे गोलाघाट माहेश्वरी महिला संगठन की सभी सदस्याओं का हार्दिक हार्दिक धन्यवाद जिन्होंने इतने अल्प समय में आकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। आज की हमारी यह मीटिंग बहुत ही शानदार वह बहुत ही लाभकारी सिद्ध हुई।

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ द्वारा विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर पत्रकार सम्मान समारोह संपन्न

निडर पत्रकार ही जनभावनाओं को शासन तक पहुंचाते हैं: गुरु प्रसाद मौर्य

प्रयागराज। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ गंगापार प्रयागराज के तत्वावधान में लाल बहादुर शास्त्री होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, शांतिपुरम, फाफामऊ के सभागार में शनिवार को पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह की अध्यक्षता डॉ. बालकृष्ण पांडेय (राष्ट्रीय संरक्षक, भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ) ने की। मुख्य अतिथि गुरु प्रसाद मौर्य विधायक फाफामऊ व विशिष्ट अतिथि उपेंद्र सिंह डायरेक्टर कोऑपरेटिव बैंक उत्तर प्रदेश लखनऊ अति विशिष्ट उप जिलाधिकारी सोराव हीरालाल सैनी व डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय राष्ट्रीय संयोजक भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ, डॉ अनिल मिश्रा प्रोफेसर लाल बहादुर शास्त्री होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलित करके किया गया।

कार्यक्रम में शामिल अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया तथा प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया । तत्पश्चात मुख्य अतिथि विधायक गुरु प्रसाद मौर्य ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। स्वतंत्र और निडर पत्रकार ही जनभावनाओं को शासन तक पहुंचाने का कार्य करते हैं। उन्होंने पत्रकारों की सुरक्षा और गरिमा के लिए निरंतर समर्थन की बात कही। अति विशिष्ट अतिथि उपेंद्र सिंह (डायरेक्टर, को–ऑपरेटिव बैंक, उत्तर प्रदेश) ने कहा कि आज के समय में पत्रकारों की भूमिका केवल समाचार देने तक सीमित नहीं है, बल्कि वे सामाजिक चेतना और न्याय के वाहक बन चुके हैं। समाज को दिशा देने में उनकी भूमिका अमूल्य है। विशिष्ट अतिथि हीरालाल सैनी (उप

जिलाधिकारी, सोरांव) ने कहा कि निष्पक्ष पत्रकारिता ही समाज में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करती है। पत्रकार समाज के दर्पण होते हैं कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रहे द्य डॉक्टर बालकृष्ण पांडे ने कहा कि पत्रकारों के हितों की रक्षा करना हम सब का सामूहिक रूप से दायित्व है महासंघ सदैव पत्रकारों की स्वतंत्रता सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित है द्य डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय (राष्ट्रीय संयोजक, भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ) ने कहा कि महासंघ पत्रकारों की आज़ादी, सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए सतत संघर्षशील है। प्रेस स्वतंत्रता लोकतंत्र की आत्मा है और उसे बचाना हम सभी की सामूहिक ज़िम्मेदारी है। अंतरराष्ट्रीय प्रेस दिवस पर विस्तार से जानकारी दी कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार आर0 डी0 वर्मा ने किया । कार्यक्रम के आयोजन श्याम कृष्ण शुक्ल शपिंटू शुक्लश जिलाध्यक्ष भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ गंगापार प्रयागराज द्वारा किया गया। उन्होंने मंच से सभी आगंतुकों, अतिथियों एवं सम्मानित पत्रकारों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि महासंघ का उद्देश्य पत्रकारों की समस्याओं का समाधान कराना संगठन की प्राथमिकता है । इस अवसर पर पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले वरिष्ठ पत्रकारों को मुख्य अतिथि विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, विशिष्ट अतिथि उपेंद्र सिंह डायरेक्टर कोऑपरेटिव बैंक, अति विशिष्ट अतिथि हीरालाल सैनी एसडीएम सोरांव, राष्ट्रीय संरक्षक डॉक्टर बालकृष्ण पांडेय, राष्ट्रीय संयोजक डॉक्टर भगवान प्रसाद उपाध्याय द्वारा संयुक्त रूप से सम्मान पत्र स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया ।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वरिष्ठ पत्रकारों में आर डी वर्मा, राजन तिवारी, हर्ष देव तिवारी, राकेश पांडेय, विधिक सलाहकार राजुल शर्मा, डॉ0 राम लखन चौरसिया, शिवपति विश्वकर्मा, अश्वनी मिश्रा, गुलफाम सिद्दीकी, अशोक कुमार यादव, अजीत कुमार यादव, राहुल तिवारी, पीयूष कुमार, डॉ0 धर्मराज यादव, पवन शुक्ला, अमलेंदु त्रिपाठी राजू, जय कृष्ण पांडेय, अजय मौर्या, संतोष मिश्रा, राजेंद्र त्रिपाठी त्रिकाली गुरु, शिव भगवान प्रजापति, वीरेंद्र कुमार गुप्ता बिंदु, रामू भैया पांडेय, अशोक कुमार मिश्रा, बृजेश आनन्द, अश्विनी मिश्रा, के.के. यादव, कमल राज साहू, कमलेश कुमार विश्वकर्मा, मुस्ताक अहमद, फलूद अहमद, अविनाश मिश्रा, अरुण कुमार शर्मा, कृष्ण मोहन मौर्य , संजय पांडेय, अनिल पांडेय, रवि पटवा सहित तमाम पत्रकार कार्यक्रम में मौजूद रहे।

गंगा सप्तमी पर मां गंगा को किया नमन, स्वच्छता की ली शपथ

मोरना। गंगा सप्तमी अथवा गंगा अवतरण दिवस पर शुकतीर्थ गंगा घाट पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें साधु संतो, पुरोहितो व भाजपाइयो ने भाग लिया। जहां मां गंगा की पूजा व अभिषेक कर महाआरती की गयी व भोजन प्रसाद वितरण किया गया साथ ही मां गंगा स्वच्छता की शपथ ली गयी। महाभारत कालीन तीर्थ नगरी शुकतीर्थ मे शनिवार को गंगा घाट पर गंगा अवतरण दिवस के अवसर पर मां गंगा को दूध दही शहद आदि अर्पित कर पूजा की गयी व गंगा मंदिर मे महाआरती की गयी। जिसके उपरांत युवा भाजपा नेता अमित राठी ने गंगा स्वच्छता की शपथ दिलाते हुए कहा की मोक्ष दायिनी मां गंगा जीवन दायिनी है करोड़ो जीवधारी मां गंगा के पवित्र आँचल मे वास कर रहे हैं। सहस्रो वर्षो से मां गंगा जीवन देने के साथ साथ मोक्ष दायिनी बनी हुई है। तथा भक्तों को अपना आशीर्वाद प्रदान कर रही है। गंगा की स्वच्छता को लेकर शासन

प्रशासन प्रतिबद्ध है। जन सहयोग के द्वारा गंगा को स्वच्छ बनाने का कार्य जारी है। अखिल भारतीय जाट महासभा के जिला महासचिव दीपक चौधरी एडवोकेट ने कहा कि पहलगाम की घटना को लेकर देश के नागरिक आहत हैं। सरकार से निवेदन है की धैर्य को त्याग कर शीघ्र बदला लिया जाये और आतंकवादियों तथा उन्हें सहयोग करने व पोषित करने वालों पर कड़ी कार्रवाई कर बड़ा संदेश दिया जाये। शरद शर्मा ने कहा की प्रत्येक वर्ष की भांति गंगा सप्तमी के अवसर दसवें विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। साथ ही मां गंगा की स्वच्छता मे निरंतर सहयोग प्रदान करने वालों को सम्मानित किया गया।अखिल भारतीय जाट महासभा के जिलाध्यक्ष चौधरी बृजवीर सिंह,आचार्य अजय कृष्ण शास्त्री के नेतृत्व मे गंगा घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से मोनू राणा, धीरेंद्र चौधरी, जोनू चौधरी,नरेश त्यागी, विकास गुप्ता, राजू, धीरेंद्र सहरावत,हनी सहरावत,प्रद्युम्न, संदीप सैनी,कंवरपाल, जयपाल, धर्मेंद्र,बिजेंद्र,नवीन,अनिल वर्मा, मुकेश शर्मा,महेश शर्मा, नीरज आर्य,देवेंद्र आर्य,महेश वर्मा बबलू, दीपक लाला, आदेश प्रधान, स्वामी रामभवानंद महाराज आदि मौजूद रहे।

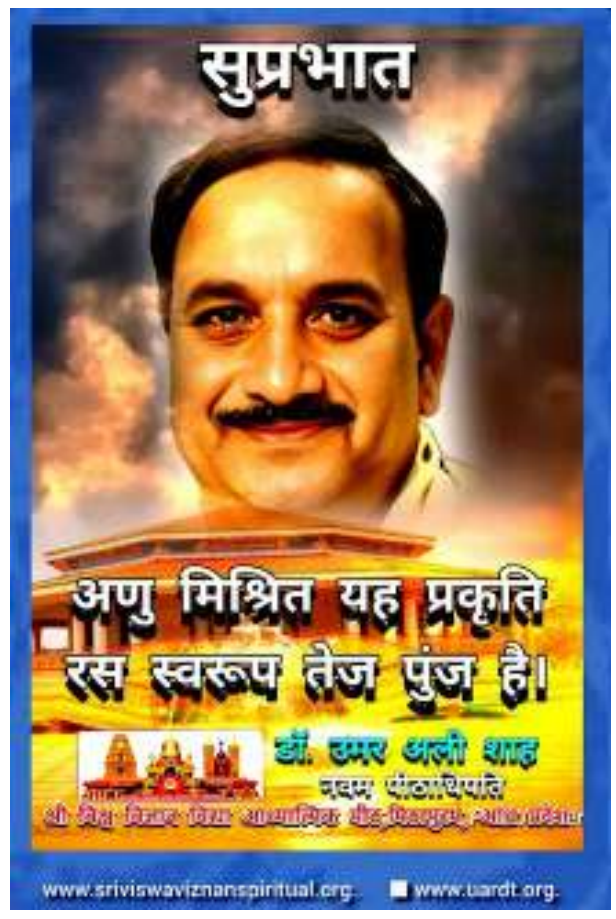

निष्ठा को मत तौलिए

(कुण्डलिया)

निष्ठा को मत तौलिए, है यह सरल प्रवाह।
संघर्षों से दूर रह,चले प्रेम की राह।
चले प्रेम की राह, अहं को रख कोने में।
नहीं गँवाता वक्त,कभी भी वह सोने में।
अन्तर बूझ प्रदीप, समर्पण और प्रतिष्ठा।
जिसमें आदर साथ,दिखाई देती निष्ठा।।

आपस के संबंध में, रखिए इतना ध्यान।
निष्ठा भी जिन्दा रहे,साथ आत्मसम्मान।
साथ आत्मसम्मान, सीखिए जीना हँसना।
दूजों की सुन बात,मगर अपनी भी रखना।
सबकुछ देख प्रदीप, कहें केवल हँस हँस के।
बन्द न हो संवाद,याद रखना आपस के।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

पांडव कालीन माता पार्वती मंदिर में भागवत कथा व रामलीला मंचन

मोरनाः सतीर्थ नगरी शुकतीर्थ स्थित पांडव कालीन माता पार्वती मंदिर में मां बगला मुखी पीतांबरा जयंती महोत्सव पर जहां पर संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। वही, चित्रकूट के कलाकारों के द्वारा श्री रामलीला का मंचन किया जा रहा है। जिसे देखने के नगरी के अलावा आस पास के गांव फिरोजपुर, बहुपुरा, शुक्रतारी, इलाहाबास, मोरना, ककराला आदि गांवों के लोगों की भीड़ लगी हुई है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस कर्मियों की डयूटी भी लगाई गई है।

चित्रकूट से पधारी कथा व्यास कुमारी भक्ति त्रिपाठी ने कहा कि श्रीमद भागवत कथा देव दुर्लभ है जो शुकदेव जी की कृपा से आज सभी को सुलभ हो रही है। घर पर आने वाले साधु को भिक्षा जरूर देनी चाहिए, भूलकर भी उनका कभी अपमान नही करना चाहिए। काशी से पधारे स्वामी ज्ञानेश्वरानंद तीर्थ महाराज, कथा में ज्योतिषविद डा. अयोध्या प्रसाद मिश्र महाराज, आचार्य देवशरण त्रिपाठी, गौरव शर्मा, आशीष मिश्रा, ज्योति, तुषार, राजा भैया, कमलेश देवी आदि श्रद्धालु मौजूद रहे। इसके अलावा आश्रम में नित्य हवन यज्ञ का भी आयोजन किया जा रहा है जिसमें श्रद्धालु मंत्रोचारण के बीच आहूति प्रदान करते है। वही, चित्रकूट धाम आदर्श श्रीराम जानकी मंडल चित्रकूट धाम के कलाकारों के द्वारा दशरथ मरण व राम वनवास की लीला का मनोहारी मंचन किया गया। जिसमें राम वनवास की लीला का मंचन देख श्रद्धालु भाव विभोर हो गए। हास्य कलाकार बबलू पांडेय ने श्रद्धालुओं को खूब हंसाया। व्यास अवधेश कुमार शर्मा ने चौपाई का गुणगान किया। रामलीला देखने के लिए नगरी के अलावा आस पास के गांव फिरोजपुर, बहुपुरा, शुक्रतारी, इलाहाबास, मोरना, ककराला आदि गांवों के लोगों की भीड़ लगी हुई है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस कर्मियों की डयूटी भी लगाई गई है।

नगर पालिका परिषद बेल्हा द्वारा नालियों की साफ–सफाई, हैण्डपम्प मरम्मत आदि के कराये गये कार्य

प्रतापगढ़। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बेल्हा राकेश कुमार ने बताया है कि नगर पालिका परिषद् बेल्हा द्वारा सिनेमा रोड मकन्दूगंज/टक्करगंज, काशीराम कोलोनी मलिन बस्ती, जोगापुर में लगातार नालियों की साफ–सफाई का कार्य कराते हुय सिल्ट आदि का निस्तारण कार्य कराया जा रहा है। नगर में अस्थापित नलकूपों के माध्यम से नागरिकों को दिये जाने वाले पानी की टंकियों की साफ–सफाई के साथ–साथ इलेक्ट्रानिक डोजर के माध्यम से सोडियम हाइपोक्लोराइड की डोजिंग नियमानुसार करायी जा रही है, साथ ही गर्मी के दृष्टिगत नगर पालिका क्षेत्रान्तर्गत इण्डिया मार्का–2 हैण्डपम्प की मरम्मत व रिबोर का कार्य कराया जा रहा है तथा मुख्य मार्गो में स्थापित स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत कराते हुये प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। शासन के निर्देश के क्रम में निकाय क्षेत्रान्तर्गत बैनर/होर्डिंग हटाये जाने का कार्य लगातार किया जा रहा है।

सम्पादकीय........

जातिगत जनगणनाः आगे की राह?

केन्द्र सरकार ने आखिरकार जातिगत जनगणना कराना स्वीकार कर लिया है। बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में नरेन्द्र मोदी सरकार ने ऐलान किया कि जनगणना के जरिये सरकार लोगों की जातिवार संख्या भी जुटायेगी। हालांकि इसकी घोषणा करते हुए कैबिनेट ने यह नहीं बताया कि यह काम कब शुरू होगा। विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस ने यह मांग पिछले लगभग दो वर्षों से जोर–शोर से उठाई हुई थी जिसमें उसके नेतृत्व में बने इंडिया गठबन्धन ने भी अपना स्वर मिलाया है। इस मांग के कारण लगभग हाशिये पर जा चुकी कांग्रेस को भारतीय राजनीति में बड़े पैमाने पर लौटने का मौका मिला था। संविधान की रक्षा का जो नारा कांग्रेस समेत उसके सहयोगी प्रतिपक्षी दलों ने दिया था, उससे 2024 के लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के संख्या बल को 2019 के मुकाबले काफी घटाया था। 2024 के प्रारम्भ में हुई राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की थीम भी जातिगत जनगणना की मांग को तर्कसंगत व जरूरी बताती थी। इस मांग को राहुल ने सड़कों पर बड़े पैमाने पर उठाया था। उन्होंने बार–बार यह बात कही थी कि देश में दलितों, पिछड़ों, अति पिछड़ों, आदिवासियों आदि की संख्या सर्वाधिक है परन्तु संसाधनों एवं अवसरों में उनकी हिस्सेदारी बहुत कम है। यह एक तरह से कांशीराम की उठाई वह मांग है जिसमें वे कहते थे कि श्जिसकी जितनी संख्या भारी उसकी उतनी हिस्सेदारी।श कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करते राहुल को इस मांग को उठाते हुए कोई उजर नहीं था कि यह बहुजन नेता की बात की ही प्रतिध्वनि है जिसकी वारिस मायावती इस मामले पर चुप्पी साधे हुई हैं। वे लोगों को अपने भाषणों में बतलाते रहे हैं कि केन्द्रीय सचिवालय में केवल 5 ही सचिव स्तर के ऐसे अधिकारी हैं जो ओबीसी हैं। राहुल यह भी बतलाते रहे कि बजट के पांच प्रतिशत पर ही इनका नियंत्रण है। इसलिये ओबीसी, दलितों आदि के साथ न्याय नहीं होता। उनके द्वारा संसद में भी यह मुद्दा जोरदार ढंग से उठाया गया जिसे इंडिया के सहयोगियों, विशेष रूप से समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल का जबर्दस्त साथ मिला। राहुल ने वर्तमान लोकसभा के प्रारम्भिक सत्रों में चेताया था कि विपक्ष सरकार से जाति आधारित जनगणना करा कर रहेगा। राहुल का कहना था कि श्भाजपा सरकार इस मांग को पूरा नहीं करेगी तो इंडिया सरकार करेगी। भाजपा की पूरी राजनीति ही इसके विपरीत है– सवर्णों को बल देने वाली। इसे लेकर राहुल का न केवल मजाक उड़ाया गया वरन उन्हें अपमानित भी किया गया था। पूर्व मंत्री अनुराग ठाकुर ने उन पर तंज कसा था कि, जिन्हें अपनी जाति का पता नहीं वे जातिगत जनगणना की मांग कर रहे हैं।श भाजपा तथा उसके सहयोगी एनडीए के सांसदों ने इसका भरपूर लुत्फ उठाया थाय परन्तु अब सरकार के इस एकतरफा निर्णय से वे हैरान हैं क्योंकि वे नहीं जानते कि जनता को इस बात का क्या जवाब दें कि आखिर उनकी पार्टी की सरकार ने यह फैसला क्योंकर लिया जो अब तक इसकी विरोधी थी। फैसले की हां में हां मिलाने के अलावा जिन पार्टी सदस्यों, समर्थकों, नेताओं, विधायकों व सांसदों के पास और कोई चारा नहीं है वे यह कहकर इसे मोदी का मास्टरस्ट्रोक साबित करने पर तुले हैं कि इस फैसले ने राहुल, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव के हाथ से बड़ा मुद्दा छीन लिया है। इस निर्णय के परिप्रेक्ष्य में कुछ सवाल सामने आ रहे हैं। पहला यह कि नीतिगत विरोध के बावजूद भाजपा की क्या मजबूरी रही कि उसे यह फैसला लेना पड़ा? कुछ का कहना है कि पहलगाम के मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिये भाजपा ने यह कदम उठाया है ताकि कश्मीर के मुद्दे पर उसकी विफलता ढंक जाये। यह भी कहा जाता है कि सरकार दुनिया को संदेश देना चाहती है कि आतंकी हमले के बावजूद सरकार देश के अंदरूनी मसलों पर ध्यान बनाये हुए है। यानी देश का एक निर्भीक व अविचलित चेहरा वह दुनिया को दिखाना चाहती है। इस बड़े फैसले से दुनिया महसूस करे कि पहलगाम की घटना के बावजूद न घबराहट है, न बदहवासी– चाहे युद्ध की आशंका बन चुकी हो। यह भी माना जाता है कि बिहार में भाजपा इस मुद्दे को आगे बढ़ायेगी। वह केवल कांग्रेस तथा उसके साथी राजद व सीपीएम (माले) से ही नहीं, अपने सहयोगी नीतीश कुमार (जनता दल यूनाइटेड) से भी यह मुद्दा छीनना चाहती है। उस राज्य में खुद के बूते सरकार बनाने पर भाजपा आमादा है जहां इसी साल सितम्बर के बाद चुनाव होंगे। दूसरा सवाल यह है कि इस मुद्दे को लेकर विपक्ष, विशेषतः कांग्रेस की आगे की राह क्या हो? कांग्रेस को इस बात से खुश होकर नहीं रह जाना चाहिये कि सरकार को यह निर्णय लेने हेतु मजबूर करने से उसकी नैतिक जीत हुई है। उससे बात नहीं बनेगी। इसके बल पर उसे चुनाव भी जीतने होंगे। बिहार का चुनाव उसकी पहली परीक्षा होगी जहां से इस मांग की शुरुआत हुई थी। इस मुद्दे पर यहां कांग्रेस–राजद की जीत देश के लिये परिवर्तनकारी होगी।

जाति जनगणना, भाजपा के दांव से असमंजस में विपक्ष

डॉ. दीपक पाचपोर

लेकिन प्रथम दृष्टया भाजपा विपक्ष के बड़े हथियार को हथियाने में सफल रही है। उल्लेखनीय है कि साल 1931 तक हुई जनगणना में जाति गणना भी शामिल रही है, लेकिन स्वतंत्र भारत में इसकी आवश्यकता को नकार दिया गया। हालांकि, अनुसूचित जाति और जनजाति की गणना की जाती रही।

लंबे समय तक असहमति के बाद आखिरकार भाजपा नेतृत्व वाली राजग सरकार ने घोषणा कर दी है कि जाति गणना अगली जनगणना का हिस्सा होगी। बहरहाल, भाजपा ने विपक्ष के जातीय गणना के मुद्दे की हवा निकाल दी है। यह आश्चर्यजनक निर्णय विषम परिस्थितियों के बीच आया है जब देश को उम्मीद थी कि सरकार पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ कोई बड़ी कार्रवाई करेगी। हालांकि, भाजपा ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के हित चुनावी प्राथमिकताओं से प्रभावित नहीं होंगे। निस्संदेह, राजग का अल्पकालिक लक्ष्य इस साल के अंत में बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव जीतना है। वहीं बड़ा उद्देश्य देशभर में जाति के मुद्दे पर कांग्रेस और अन्य प्रतिद्वंद्वी दलों को पछाड़ना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिसंबर 2023 में यह कहकर चीजों को सरल बनाने की कोशिश की थी कि देश में चार ही जातियां हैं– महिलाएं, युवा, किसान और गरीब। यही वजह है कि ध्रुवीकरण की अपनी ताकत के प्रति आश्वस्त भगवा पार्टी ने विपक्ष को जाति का कार्ड खेलने दिया। हालांकि, इसका झटका भाजपा को 2024 के लोकसभा चुनाव में लगा। ये परिणाम भाजपा के लि[illegible] आंख[illegible] खेलने[illegible] वाला[illegible] था। हालांकि, [illegible] व [illegible] नीत[illegible] कुमार[illegible] दल युनाइटेड और चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी के सहयोग से किसी तरह सरकार बनाने में कामयाब हो गई। इस बात में कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि गठबंधन की मजबूरियों के चलते ही भाजपा को जाति जनगणना के मुद्दे पर यह फैसला लेना पड़ा है। हालांकि, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के दबाव ने भी इस निर्णय में बड़ी भूमिका निभाई है। एक अन्य प्रमुख कारण भीमराव अंबेडकर की विरासत को लेकर खींचतान भी है। कोई भी राजनीतिक दल सामाजिक न्याय के उनके महान सपने को पूरा करने के लिये आधे–अधूरे दृष्टिकोण को अपनाने [illegible] का जोखिम नहीं उठा सकता, खासकर भाजपा। कहा जा रहा है कि जाति जनगणना के जरिये नीति निर्माताओं को विशिष्ट समुदायों की आवश्यकता के अनुसार कल्याणकारी योजनाएं बनाने में मदद मिलेगी। इसमें दो राय नहीं कि जाति आधारित जनगणना में पारदर्शी सूचनाओं के संग्रह और डेटा के सार्थक उपयोग से सामाजिक असमानताओं को दूर करने में काफी हद तक मदद मिल सकती है। लेकिन साथ ही यह भी जरूरी है कि इसके लिये समय सीमा तय की जाए, क्योंकि पहले ही जनगणना में काफी देरी हो चुकी है। यह भी हकीकत है कि केंद्र सरकार के लिये अगली जनगणना के साथ [illegible]जाति गणना कराने का [illegible]ला खासा चुनौतीपूर्ण है। [illegible]तके गहरे निहितार्थ सामने [illegible]सकते हैं, जो राजनीतिक व [illegible]माजिक परिदृश्य में [illegible]दलावकारी प्रभाव छोड़ सकते [illegible] बहुत संभव है कि इसके [illegible] आबादी के अनुपात में आरक्षण की मांग भी जोर पकड़े। लेकिन प्रथम दृष्टया भाजपा विपक्ष के बड़े हथियार को हथियाने में सफल रही है। उल्लेखनीय है कि साल 1931 तक हुई जनगणना में जाति गणना भी शामिल रही है, लेकिन स्वतंत्र भारत में इसकी आवश्यकता को नकार दिया गया। हालांकि, अनुसूचित जाति और जनजाति की गणना की जाती रही। वैसे साल 2011 में सामाजिक व आर्थिक उद्देश्यों के लिये जाति गणना की तो जरूर गई, लेकिन विसंगतियों के चलते आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं किया गया। जबकि पिछले कुछ समय से विपक्ष आरक्षण को तार्किक बनाने के लिये जाति गणना की वकालत करता रहा है। हालांकि, पहले भाजपा भारतीय समाज के हित में जाति गणना के प्रस्ताव को अप्रासंगिक बताती रही है, लेकिन देश के राजनीतिक परिदृश्य में विपक्ष द्वारा इसे बड़ा मुद्दा बनाने के बाद केंद्र को इस बाबत फैसला लेने को बाध्य होना पड़ा। हालांकि, इस गणना के आंकड़े सामने आने के बाद आबादी के अनुरूप आरक्षण देने की मांग जोर पकड़ सकती है। कुछ राज्यों के अनुभव इस बात की पुष्टि करते हैं। पिछले दिनों कांग्रेस शासित कर्नाटक में ऐसे जातिगत गणना के आंकड़े लीक होने पर खासा विवाद सामने आया है। हालांकि, राजग सरकार दलील दे रही है कि जातिगत जनगणना से देश सामाजिक व आर्थिक रूप से सशक्त होगा।

इस बार कमंडल को चाहिए मंडल का सहारा

वर्षा भम्भाणी मिर्जा

अब तक कमंडल से अपनी राजनीति को चमकाने वालों को अचानक मंडल की याद आ गई है, वह भी तब जब देश पहलगाम आतंकी हमले के बाद सरकार से बड़े एक्शन की उम्मीद कर रहा था। मुख्य धारा की मीडिया ने पाकिस्तान के खिलाफ ऐसा माहौल तैयार कर दिया था कि लगने लगा था कि सरकार घर में घुसकर मारने की नीति टाइप किसी कदम का खुलासा करने जा रही है। ऐसा कुछ भी नहीं हुआ और बुधवार को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट की राजनीतिक मामलों की समिति ने आगामी जनगणना के साथ जाति की गिनती कराने का फैसला कर लिया। आजादी के बाद पहली बार देश के नागरिकों से उनकी जाति पूछी जाएगी। अब तक अनुसूचित जाति और जनजाति को अवश्य गिना जाता था लेकिन अब शायद अन्य पिछड़ा वर्ग का बढ़ता संख्या बल सरकार को इस निर्णय के लिए मजबूर कर रहा है। विपक्ष श्जिसकी जितनी आबादी उतनी उसकी भागीदारीश का नारा पहले ही बुलंद किये हुए था। ऐसे ही मकसद में सरकार की दिलचस्पी भी होगी तो फिर इस मासूमियत पर कौन न फिदा हो जाए। इसमें कोई शक नहीं कि इस मसले पर देश जिस नेता को लगातार बोलते हुए देख–सुन रहा था वे तो राहुल गांधी थे। इस हद तक कि लगभग ऊब होने लगी थी लेकिन राहुल गांधी थकते नहीं थे। वे जनसभाओं से लेकर संसद तक बस इसी जातीय जनगणना की बात करते थे। एक बार तो उन्हें अपमानित करते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कह दिया था कि जिसकी जात का पता नहीं वो गणना की बात करता है। आम भारतीय बोल–चाल में यह किसी गाली से कम नहीं था लेकिन राहुल गांधी ने इस गाली का जवाब भी संसद में यह कहकर दिया था कि जो भी दलितों की, पिछड़ों की बात करता है उसे गालियां खानी ही पड़ती हैं। अर्जुन को मच्छी की आंख दिख रही थी, ठीक वैसे ही मुझे भी मच्छी की आंख दिख रही है और जातीय जनगणना हम करा के रहेंगे। जाहिर है कि लगातार बोलते रहना ही सियासत में फलदायी जमीन तैयार करता है। अब घोषणा के तुरंत बाद भी राहुल गांधी रुके नहीं हैं। उन्होंने कह दिया है कि हम तय करेंगे कि सरकार 50 फीसदी की सीलिंग भी बदले और आगे की नीतियां हम डिजाइन करेंगे क्योंकि हमारे पास तेलंगाना और कर्नाटक का डाटा है। वह निजी संस्थानों में भी आरक्षण लागू करने की मुद्रा में दिखाई दिए। फिलहाल ऐसा लगता है जैसे पहलगाम के बाद विपक्ष जिस तरह सरकार के साथ खड़ा था, जाति जनगणना के मुद्दे पर सरकार विपक्ष के साथ आकर खड़ी हो गई है। अब गणना इस बात की होनी चाहिए कि किसके श्मास्टर स्ट्रोकश में ज्यादा दम है। खैर मजाक से अलग जब पहलगाम हमले के जवाब के इंतजार में बैठे मीडिया से केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह बात साझा की तो वाकई यह सबके लिए चौंकने का समय था। शुरुआत में अश्विनी वैष्णव ने केन्द्रीय मंत्रिमंडल के शिलांग से सिलचर तक हाई–स्पीड कॉरिडोर हाईवे परियोजना तथा किसानों के लिए गन्ने के उचित मूल्य की जानकारी दी और आखिर में जब प्रेस ब्रीफिंग खत्म होने वाली थी तभी उन्होंने चुपचाप पॉकेट से एक पर्चा निकालकर जाति जनगणना वाली बात पढ़ दी और आदतन जनगणना न हो पाने की वजह भी कांग्रेस के माथे मढ़ दी। यह सच है कि अंग्रेज जातियों की जनगणना कराता था लेकिन आजाद भारत के नेताओं ने इसे नहीं करवाना चाहा था ताकि देश मोटे तौर पर उपजातियों में न बंटे। इस सरकार ने कोविड महामारी के दौरान टाली गई सामान्य जनगणना को भी अब तक नहीं किया है। अंतिम बार यह 2011 में हुई थी और 2021 में होनी थी। 2025 के बजट में भी जनगणना का धन शामिल नहीं है इसलिए इसमें और देरी हो सकती है। शायद अगले आम चुनाव से पहले देश को ये आंकड़े मिलें। फिलहाल तो देश की सारी नीतियां और योजनाएं पुराने आंकड़ों पर चल रही हैं या यूं कहें कि इस सियासत को इन आंकड़ों की जरूरत ही नहीं है।

लघुकथाः भावनाओं की दृष्टि

रविवार की सुबह डॉ बीजू चिकित्सा शिविर में जाने के लिए अपने घर से टीम के साथ रवाना होते हैं। अत्यंत पिछड़े जगह में निःशुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर लगने से गाँव वासी आनंदित हुए। बीजू को अपनी कार से उतरते देखकर गाँव के बुजुर्ग लोग उन्हें सत्कार करने दौड़ पड़े। डॉ बीजू सभी को नमस्कार करते हुए उनका हाल चाल पूछने लगे।

वे चिकित्सा शिविर से कुछ ही दूरी पर एक चाय एक दूकान से स्वयं और अपने स्वास्थ्य टीम को चाय और छोला खिला रहे थे,तब कुछ गाँव के बुजुर्ग लोग आकर खड़े हो गए। उनकी शरीर से गरीबी की रेखा चमक रही थी। उन्हें देखकर बीजू ने तुरंत उन्हें भी जलपान कराया। उसी समय गांव में पंचायत चुनाव का कार्यक्रम चल रहा था तब गाँव के एक बुजुर्ग व्यक्ति ने सोचा कोई नेता आया है। वह बाबू कहकर बोला– श्मैं सुबह से कुछ नहीं खाया हूं बाबू मुझे भी खिलाओ।श यह सुनकर वे उन्हें भी खिलाए।

बीजू जब अपने चिकित्सा स्थल पर पहुँचने के लिए निकलते हैं तो वही बुजुर्ग उनके सामने खड़े हो जाते हैं और कहते हैं मैं भी जाऊँगा। वे उन्हें अपने कार के पहले सीट पर बैठाकर ले जाते हैं।

चिकित्सा टीम स्थल पर पहुँचते ही उन बुजुर्ग ने भी शिविर में सहयोग प्रदान किया। बीजू गाँव के सभी लोगों को स्वास्थ्य जांच और उनके सहयोगी निःशुल्क दवा प्रदान कर रहे थे। गाँव के लोगों ने दोपहर के खाने का भी प्रबंध किया था। उन्होंने गांव के लोगों के घर जमीन पर बैठकर साधारण व्यक्ति की तरह खाया। बीजू ने माँ कहकर कहा– श्आज मैंने बहुत ही स्वादिष्ट भोजन खाया है, इसके लिए धन्यवाद कहकर फिर से चिकित्सा में जुट जाते हैं। करीब छः घंटे से चल रहे चिकित्सा शिविर में सहयोग के लिए बीजू ने गाँववासियों को आभार व्यक्त किया!

संतोष कुमार महतो
हिंदी सेवी
विश्वनाथ चारिआलि, विश्वनाथ, असम –78417
मोः 9365096508

केरल में भाजपा की ईसाई–पहुंच योजना को लगा झटका

पी. श्रीकुमारन

केरल में भाजपा के बहुचर्चित ईसाई–पहुंच कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा किये गये आत्मघाती गोल के कारण गहरा झटका लगा है, यद्यपि संसद द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित किये जाने के बाद, भाजपा को केरल में ईसाई समुदाय में सेंध लगाने में थोड़ी सफलता मिली थी।वास्तव में, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर का एर्नाकुलम जिले के मुनंबम में ईसाई समुदाय के एक वर्ग द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। भाजपा और केंद्रीय मंत्री किरेनरिजिजू ने मुनंबम में 600 से अधिक ईसाई परिवारों के बीच उम्मीद जगायी थी, जो केरल वक्फ बोर्ड (केडब्ल्यूबी) के साथ कानूनी लड़ाई में उलझे हुए हैं। बोर्ड ने इस आधार पर उनकी संपत्ति पर दावा किया है कि यह संपत्ति उसकी है। केंद्रीय मंत्री ने ईसाई परिवारों का पक्ष लेने के लिए मुनंबम का दौरा भी किया। भाजपा ने शुरू में यह दावा करके उनकी उम्मीदें जगायी थीं कि विधेयक के कानून बन जाने पर इसका पूर्वव्यापी प्रभाव पड़ेगा और इससे उन्हें लाभ होगा। वास्तव में, भाजपा केरल कैथोलिक बिशप काउंसिल (केसीबीसी) को इसी आधार पर वक्फ (संशोधन) विधेयक का समर्थन करने के लिए राजी करने में सफल रही थी। लेकिन मुनंबम के ईसाइयों को, हालांकि थोड़ी देर से ही सही, यह एहसास हो गया है कि कानून से उन्हें कोई लाभ नहीं होगा। रिजिजू ने खुद स्पष्ट रूप से स्वीकार किया कि कानून से मुनंबम के निवासियों को केडब्ल्यूबी के साथ उनकी कानूनी लड़ाई में मदद मिलेगी। ईसाई परिवार अब इस बात से नाराज हैं कि भाजपा और केंद्र सरकार ने उन्हें धोखा दिया है। मानो यह काफी नहीं था, आरएसएस ने अपने मुखपत्रऑर्गनाइजर में ईसाई समुदाय और चर्च को निशाना बनाते हुए लगातार दो लेख प्रकाशित करके आग में घी डालने का काम किया। संक्षिप्त हनीमून खत्म हो गया और भाजपा–आरएसएस गठबंधन की राजनीतिक चालाकी ने ईसाई समुदाय के गुस्से को फिर से भड़का दिया। संसद में वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित होने के तुरंत बाद, लेखों के प्रकाशन का समय महत्वपूर्ण है, जिसे उनके द्वारा किये गये हंगामे के बाद वापस ले लिया गया है। लेकिन नुकसान हो चुका है। केसीबीसी के आधिकारिक प्रवक्ता फादर थॉमस थारायिल ने स्वीकार किया कि लेख के प्रकाशन का समय निश्चित रूप से चिंता का विषय है। लेख में दावा किया गया था कि भारत में कैथोलिक चर्च के स्वामित्व वाली भूमि देश में वक्फ संपत्तियों से कहीं अधिक है। लेख में यह भी कहा गया था कि ब्रिटिश शासकों ने चर्च को लगभग सात करोड़ हेक्टेयर भूमि पट्टे पर दी थी, और बताया कि 1965 का एक नियम अभी तक लागू नहीं हुआ है, जो औपनिवेशिक युग के चार्टर, वसीयत, पट्टे और किराये के समझौतों को निरर्थक बनाता है। संसद द्वारा पारित विधेयक केंद्र सरकार को शैक्षणिक और धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए मुस्लिम धार्मिक बंदोबस्त को विनियमित करने का अधिकार देता है। बेशक, सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने सरकार को कानून के तत्काल कार्यान्वयन के साथ आगे बढ़ने से रोक दिया है। सुप्रीम कोर्ट 5 मई को इस मुद्दे पर सुनवाई फिर से शुरू करेगा। विपक्षी दलों ने चर्च की संपत्तियों पर नियंत्रण करने के केंद्र सरकार के कदम की कड़ी निंदा की है। उनका कहना है कि मुसलमानों के बाद, मोदी सरकार अब अपने अल्पसंख्यक विरोधी एजेंडे के तहत ईसाइयों को निशाना बना रही है। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराईविजयन, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, केरल में विपक्ष के नेता वीडीसतीशन और केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) ने कहा कि लेख भाजपा–आरएसएस के असली इरादों को उजागर करते हैं, और वह है अल्पसंख्यकों को परेशान करना। विजयन ने अल्पसंख्यक समूहों को एक–एक करके निशाना बनाने और उन्हें चरणबद्ध तरीके से नष्ट करने की एक बड़ी योजना देखी। भाजपा सरकार देश में अल्पसंख्यकों को संविधान द्वारा दी गयी गारंटी और सुरक्षा को कमजोर कर रही है। चर्च द्वारा संचालित दीपिका ने संपादकीय में कहा कि हालांकि आरएसएस ने लेख वापस ले लिए हैं, लेकिन ऑर्गनाइजर ने अभी तक यह स्वीकार नहीं किया है कि उसके द्वारा प्रकाशित जानकारी गलत है। यह केवल उन लेखों के बारे में नहीं है जिन्हें आरएसएस ने वापस ले लिया है या अस्वीकार कर दिया है। यह जिन विचारों को आगे बढ़ाता है और जो कार्य करता रहता है, वे देश में अल्पसंख्यकों, जिनमें ईसाई भी शामिल हैं, की समान नागरिकता की भावना के लिए हानिकारक हैं। लेख में उत्तरी भारत में ईसाइयों पर चल रहे हमलों को भी उजागर किया गया है, साथ ही केंद्र सरकार की चुप्पी की भी आलोचना की गयी है, जो ईसाई समुदाय के खिलाफ हिंसा करने वालों को बढ़ावा दे रही है।

इसके अलावा, इंडिया करंट्स, जोउत्तरी भारत के क्रिस्ट ज्योति प्रांत के कैपुचिन्स के संरक्षण में प्रकाशित एक प्रकाशन है,और जो एक धार्मिक मण्डली तथा चर्च के बढ़ते डर को प्रतिध्वनित करती है, के संपादकीय में कहा गया कि कई समूह, यहां तक कि कुछ जिन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए, इसे जीत के रूप में मना रहे हैं। लेकिन क्या यह वास्तव में जीत है, या केवल एक दुरूस्वप्न की प्रयोगात्मक शुरुआत है। इस सबका एक संचयी प्रभाव यह हुआ है कि राज्य में ईसाई वोट बैंक में अधिक से अधिक पैठ बनाने के भाजपा के श्रमसाध्य प्रयासों को बड़ी बाधाओं का सामना करना पड़ा है। फिर इसमें आश्चर्य की बात नहीं कि सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चे(एलडीएफ) और कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) इस मुद्दे पर भाजपा की तीव्र बेचैनी से खुश हैं। दोनों को यकीन है कि ईसाइयों का वह वर्ग जो भाजपा के जाल में फंस गया था, अब अपने कदम पीछे खींच लेगा, क्योंकि भगवा पार्टी की धोखाधड़ी उजागर हो गयी है।

‘8 रुपये में कॉलेज जाती थीं, खाली पेट रहती थीं’

नुसरत भरूचा बोलीं– बचपन से फाइनेंशियल स्ट्रगल देखा, पैसे बचाने की आदतें बरकरार हैं

‘प्यार का पंचनामा’, ‘प्यार का पंचनामा 2’, ‘सोनू के तितू की स्वीटी’, ‘ड्रीम गर्ल’, ‘छोरी’, ‘जनहित में जारी’, ‘राम सेतु’ जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस नुसरत भरूचा भले ही आज एक सक्सेसफुल एक्ट्रेस हैं, लेकिन उनके करियर की शुरुआत आसान नहीं थी। हाल ही में बॉलीवुड बबल को दिए इंटरव्यू में नुसरत ने अपने पुराने दिनों की बातें शेयर कीं। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने कॉलेज के दिनों में सिर्फ 8 रुपये में पूरा दिन निकाला और कई बार भूख लगने पर भी सिर्फ पानी पीकर काम चलाया। पैसे बचाने की आदत कॉलेज से है नुसरत ने कहा, श्ओ गॉड, मैं फाइनेंस मैनेज करने में बहुत अच्छी नहीं हूं, लेकिन बहुत खराब भी नहीं हूं। मैंने बहुत जल्दी डिसाइड कर लिया था कि महीने का कितना खर्चा चाहिए। मेरी बेसिक जरुरतें क्या हैं? मैंने एक फिगर फिक्स किया, और जो भी उस फिगर से ऊपर आता था, वो मैंने इन्वेस्टमेंट और सेविंग में डाल दिया। मेरे अकाउंटेंट्स को इंस्ट्रक्शन है कि वो पैसा डायरेक्ट मेरी वेल्थ एडवाइजर्स को भेज दें।श मुझे डर लगता है, क्योंकि फैमिली की जिम्मेदारी मेरी है उन्होंने आगे बताया, श्मैं कोई सुपरह्यूमन नहीं हूं। मुझे डर लगता है। मेरे पापा अब 70 के करीब हैं, मम्मी 62 की हैं और मेरी दादी 92 साल की हैं। तीनों मेरे साथ रहते हैं। खुदा न खास्ता कुछ भी हो जाए, तो मेरे पास बैकअप में पैसे होने चाहिए। मैंने अपनी दुनिया छोटी कर ली है, ताकि जरुरत पड़ने पर अपनों का साथ दे सकूं।श 5 साल तक कॉलेज में सिर्फ 8 रुपये में दिन निकालती थी अपने कॉलेज के दिनों को याद करते हुए नुसरत ने कहा, श्मैं जुहू से जय हिंद कॉलेज जाती थी। पापा की फाइनेंशियल कंडीशन उस वक्त अच्छी नहीं थी, उन्हें बिजनेस में चीट किया गया था। मैंने जय हिंद में एडमिशन ले लिया था, लेकिन मुझे पता था कि पापा के पैसे नहीं खर्च कर सकती। मैंने अपने पूरे कॉलेज के 90: दिन सिर्फ 8 रुपये में गुजारे हैं।श सिर्फ बस का किराया लगता था, बाकी दिन भर पानी पीती थी श्मैं घर से निकलती थी, 231 नंबर की बस पकड़ती थी जुहू से सांताक्रूज स्टेशन तकय इसका 4 रुपये लगता था। पापा ने रेलवे पास बनवा दिया था, उसका खर्चा नहीं देना पड़ता था। चर्चगेट उतरती, कॉलेज पैदल जाती, पूरा दिन वहीं रहती। शाम को वही रूट वापस। जाने के 4 रुपये और आने के 4 रुपयेय टोटल 8 रुपये। कॉलेज में पानी फ्री था, प्यास लगी तो बस पानी पी लिया।श रेस्टोरेंट में बैठी रही, ऑर्डर नहीं किया नुसरत ने एक किस्सा शेयर किया, श्एक बार दोस्तों ने बांद्रा के एक नए रेस्टोरेंट में गेट–टुगेदर रखा था। मैं घर पर थी, सोचा जाऊं या नहीं? जुहू से बांद्रा जाने का रिक्शा ही 60दृ70 रुपये का पड़ेगा, उतना ही वापस का। लेकिन अकेले बैठना भी बोरिंग लगता था। मैं वहां गई, लेकिन पैसे बचाने की सोच थी। मैंने सिर्फ एक फ्रेश लाइम सोडा ऑर्डर किया।श पेट भूखा था, लेकिन चेहरे पर स्माइल थी श्वहां सब खाना खा रहे थे, एन्जॉय कर रहे थे। मैं वहीं बैठी रही, कुछ ऑर्डर नहीं किया। सिर्फ पानी पीती रही। और मुझे याद है, मेरे चेहरे पर मुस्कान थी क्योंकि मुझे अच्छा लग रहा था कि किसी को नहीं पता कि मुझे भूख लगी है। मैंने सोचा था कि एक दिन ऐसा आएगा जब मैं ये सब बिना सोचे कर पाऊंगी।श आज भी पैसे उड़ाने की आदत नहीं है नुसरत ने बातचीत खत्म करते हुए कहा, श्इसलिए आज भी अगर मैं पैसे खर्च करती हूं तो दिल खोल कर करती हूं, लेकिन रोज नहीं। क्योंकि मेरी कंडीशनिंग ही ऐसी है। मैंने 8 रुपये से शुरुआत की थी, पानी पीकर दिन निकाला है। इसलिए अब भी जब पैसे आते हैं, तो दिल में वो बात रहती है कि सेव करना है।श ‘प्यार का पंचनामा’, ‘प्यार का पंचनामा 2’, ‘सोनू के तितू की स्वीटी’, ‘ड्रीम गर्ल’, ‘छोरी’, ‘जनहित में जारी’, ‘राम सेतु’ जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस नुसरत भरूचा भले ही आज एक सक्सेसफुल एक्ट्रेस हैं, लेकिन उनके करियर की शुरुआत आसान नहीं थी। हाल ही में बॉलीवुड बबल को दिए इंटरव्यू में नुसरत ने अपने पुराने दिनों की बातें शेयर कीं। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने कॉलेज के दिनों में सिर्फ 8 रुपये में पूरा दिन निकाला और कई बार भूख लगने पर भी सिर्फ पानी पीकर काम चलाया। पैसे बचाने की आदत कॉलेज से है नुसरत ने कहा, ‘ओ गॉड, मैं फाइनेंस मैनेज करने में बहुत अच्छी नहीं हूं, लेकिन बहुत खराब भी नहीं हूं। मैंने बहुत जल्दी डिसाइड कर लिया था कि महीने का कितना खर्चा चाहिए। मेरी बेसिक जरुरतें क्या हैं? मैंने एक फिगर फिक्स किया, और जो भी उस फिगर से ऊपर आता था, वो मैंने इन्वेस्टमेंट और सेविंग में डाल दिया। मेरे अकाउंटेंट्स को इंस्ट्रक्शन है कि वो पैसा डायरेक्ट मेरी वेल्थ एडवाइजर्स को भेज दें।’ मुझे डर लगता है, क्योंकि फैमिली की जिम्मेदारी मेरी है उन्होंने आगे बताया, ‘मैं कोई सुपरह्यूमन नहीं हूं। मुझे डर लगता है। मेरे पापा अब 70 के करीब हैं, मम्मी 62 की हैं और मेरी दादी 92 साल की हैं। तीनों मेरे साथ रहते हैं। खुदा न खास्ता कुछ भी हो जाए, तो मेरे पास बैकअप में पैसे होने चाहिए। मैंने अपनी दुनिया छोटी कर ली है, ताकि जरुरत पड़ने पर अपनों का साथ दे सकूं।’ 5 साल तक कॉलेज में सिर्फ 8 रुपये में दिन निकालती थी अपने कॉलेज के दिनों को याद करते हुए नुसरत ने कहा, ‘मैं जुहू से जय हिंद कॉलेज जाती थी। पापा की फाइनेंशियल कंडीशन उस वक्त अच्छी नहीं थी, उन्हें बिजनेस में चीट किया गया था। मैंने जय हिंद में एडमिशन ले लिया था, लेकिन मुझे पता था कि पापा के पैसे नहीं खर्च कर सकती। मैंने अपने पूरे कॉलेज के 90: दिन सिर्फ 8 रुपये में गुजारे हैं।’ सिर्फ बस का किराया लगता था, बाकी दिन भर पानी पीती थी ‘मैं घर से निकलती थी, 231 नंबर की बस पकड़ती थी जुहू से सांताक्रूज स्टेशन तकय इसका 4 रुपये लगता था। पापा ने रेलवे पास बनवा दिया था, उसका खर्चा नहीं देना पड़ता था। चर्चगेट उतरती, कॉलेज पैदल जाती, पूरा दिन वहीं रहती। शाम को वही रूट वापस। जाने के 4 रुपये और आने के 4 रुपयेय टोटल 8 रुपये। कॉलेज में पानी फ्री था, प्यास लगी तो बस पानी पी लिया।’ रेस्टोरेंट में बैठी रही, ऑर्डर नहीं किया नुसरत ने एक किस्सा शेयर किया, ‘एक बार दोस्तों ने बांद्रा के एक नए रेस्टोरेंट में गेट–टुगेदर रखा था। मैं घर पर थी, सोचा जाऊं या नहीं? जुहू से बांद्रा जाने का रिक्शा ही 60दृ70 रुपये का पड़ेगा, उतना ही वापस का।

पैपराजी पर फिर भड़के सिंगर जस्टिन बीबर

कुछ दिन पहले कैनेडियन सिंगर जस्टिन बीबर का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वो पैपराजी पर भड़कते दिखे। उनका कहना था कि इन लोगों को सिर्फ पैसे से मतलब है, इंसानियत से कोई लेना–देना नहीं है। अब उन्होंने एक और वीडियो शेयर किया है जिसमें उनके बिना इजाजत के फोटो खींचे जा रहे हैं और आंखों में जबरदस्ती फ्लैश मारा जा रहा है। अब ये सब बंद होना चाहिए दृ जस्टिन वीडियो में दिखा कि जैसे ही जस्टिन बिल्डिंग से बाहर आए, पैपराजी ने उन्हें घेर लिया। उनके सिक्योरिटी गार्ड कई बार लोगों से पीछे हटने को कहते हैं, लेकिन कोई उनकी बात नहीं सुनता। कोई उनकी आंखों पर कैमरा की लाइट मारता है, तो कोई जूम इन कर के फोटो खींचता है।इस वीडियो के साथ जस्टिन ने लिखा दृ अब ये सब बंद होना चाहिए। सेलेब्रिटी है तो क्या इंसान नहीं? वीडियो के बाद कई फैन्स ने सोशल मीडिया पर जस्टिन का सपोर्ट किया। किसी ने लिखा, श्सेलेब्रिटी है तो क्या इंसान नहीं है?श हर वक्त ऐसे पीछा करना ठीक नहीं है।

क्यों सेट पर लड़ती थीं करिश्मा-रवीना?

इस रिपोर्ट में हम बात करने जा रहे हैं. आमिर खान ने कल्ट क्लासिक फिल्म श्अंदाज अपना–अपनाश की. जिसमें आमिर के अलावा सलमान खान, रवीना टंडन और करिश्मा कपूर नजर आई थी. फिल्म रिलीज के बाद तो सुपरहिट रही, लेकिन जब इसकी शूटिंग चल रही थी तो करिश्मा–रवीना के बीच 36 का आंकड़ा था. ऐसे में आमिर को डर सताता था कि फिल्मकी शूटिंग पूरी हो भी पाएगी या नहीं. जानिए किस्सा.... दरअसल इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में इस फिल्म के बारे में बात करते हुए आमिर ने कहा था कि, वो हमारे ले अच्छा और मुश्किल दोनों वक्त था. क्योंकि मैं अकेला ही सेट पर वक्त से आता था.’ आमिर ने आगे कहा कि, ‘ सेट पर जब करिश्मा आती थी तो रवीना चली जाती थी. उस फिल्म की शूटिंग बहुत मुश्किल से पूरी हुई थी. उन दोनों के बीच कुछ अनबन चल रही थी.लोग एकसाथ शूटिंग भी नहीं कर पा रहे थे.श खबरों की मानें तो उस दौर में दोनों की लड़ाई एक्टर अजय देवगन को लेकर हुई थी. क्योंकि तब एक्टर रवीना को डेट कर रहे थे. इसी बीच उनकी फिल्म करिश्मा के साथ आने लगी. जिसके बाद इंडस्ट्री में अजय और करिश्मा के अफेयर की चर्चा होने लगी. ये जानकर रवीना गुस्सा हो गई और इसलिए उनकी सेट पर करिश्मा से बनती नहीं थी. एक बार फराह खान ने भी करण जौहर के शो पर कहा था कि, ‘वो दोनों उस वक्त काफी झगड़ते थी. एक दिन तो उन्होंने एक–दूजे के बाल भी नोंच दिए थे’ बता दें कि श्अंदाज अपना–अपनाश एक कॉमेडी फिल्म थी. जो साल 1994 में रिलीज हुई थी. इसे राजकुमार संतोषी ने डायरेक्ट किया था. इस फिल्म में आमिर खान, सलमान खान, रवीना टंडन, करिश्मा कपूर, शक्ति कपूर और परेश रावल डबल रोल में नजर आए थे.

हानिया आमिर के बाद अब इस चर्चित पाकिस्तानी एक्ट्रेस का इंस्टा अकाउंट बैन, बॉलीवुड में दी हिट फिल्म

भारत सरकार ने पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के मनोजरंन इंडस्ट्री पर हमला किया है, जिसमें पाक के कई चर्चित एक्टर्स के इंस्टाग्राम अकाउंट भारत में बैन कर दिए गए हैं। इस कदम से उनके मनोरंजन उद्योग पर गहरा प्रभाव पड़ा है, जिसका जिक्र आए दिन कलाकार कर रहे हैं। अब इसी कड़ी में एक और दिग्गज कलाकार का नाम शामिल हो गया है, जिसने बॉलीवुड में दी है शानदार फिल्म।

कौन है वो एक्ट्रेस?

हाल ही में पाकिस्तानी एक्टर्स को भारत में बैन किए जाने का सिलसिला चल रहा है, जिसका कारण है 22 अप्रैल को पहलगाम में हुआ दर्दनाक आतंकी हमला। इस हमले से पूरा देश सिहर उठा था। अब इस घटना को लेकर भारत, पाकिस्तान के कई कलाकारों के इंस्टाग्राम अकाउंट बैन कर चुका है, जिसमें अब एक और मशहूर अभिनेत्री शामिल हो गई हैं। उस एक्ट्रेस का नाम है मावरा होकेन, जिन्होंने श्सनम तेरी कसमश फिल्म से सबके दिलों में अपनी जगह बना ली थी। अब इस मशहूर अभिनेत्री का भी इंस्टाग्राम अकाउंट बैन कर दिया गया है।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने कई पाकिस्तानी एक्टर्स के इंस्टाग्राम अकाउंट बैन कर दिए थे। उनमें कुछ चर्चित नाम हैं, जैसे– हानिया आमिर, माहिरा खान, सजल अली, अली जफर, बिलाल अब्बास खान, फिरोज खान, उशना शाह और अन्य एक्टर्स भी शामिल हैं। अब इन एक्टर्स के इंस्टा अकाउंट भारत में नहीं दिख रहे हैं। इन सितारों की भारत में काफी तगड़ी फैन फॉलोइंग रही है। इनकी फिल्मों और सीरियल पर भी भारतीय दर्शक प्यार लुटाते रहे हैं। मगर, तनाव की स्थिति में सितारों पर बैन लगाया गया है।

मावरा होकेन के बारे में

अभिनेत्री मावरा होकेन की बात करें तो, उन्हें श्सनम तेरी कसमश फिल्म से काफी प्रसिद्धि मिली, जिसमें अभिनेता हर्षवर्धन राणे ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इस फिल्म को इसी साल फरवरी में दोबारा रिलीज किया था, जो लोगों के बीच काफी लोकप्रिय रही और इसने बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार कलेक्शन किया था पिछली रिलीज की तुलना में।

गर्मियों में कुछ चटपटा खाने का है मन तो ट्राई करें मुंह में पानी लाने वाले मैंगो सैंडविच

गर्मियों के मौसम में एक चीज जो बाजार में सबसे ज्यादा देखने को मिलती है वो है फलों का राजा आम। इस समय घरों में सादे आं के साथ–साथ आमरस खाने का सिलसिला भी शुरु हो चुका है। आम वैसे खाने में भी बहुत अच्छा लगता है साथ मैं इसकी रेसिपीज भी उतनी ही टेस्टी होती हैं। आज हम आपको बताएंगे मैंगो सैंडविच के बारे में। ये बनाने में बहुत ही आसान है और साथ में टेस्टी तो इसका जबरदस्त है ही। इसे आप स्नैक्स

में या फिर ब्रेकफास्ट के तौर पर खाया जा सकता है....

सामग्री

आम के कटे हुए स्लाइस– 1

ब्रेड स्लाइस– 4

काली मिर्च– 1 चुटकी

नमक– स्वादानुसार

बटर– 1 टेबलस्पून

विधि

1. मैंगो सैंडविच बनाने के लिए सबसे पहले आम को लें और उसे धोकर उसके स्लाइस कर लें।

2. इन्हें एक बाउल में निकालकर रख लें।

3. अब ब्रेड स्लाइस को लें और उन्हें किसी समतल जगह पर रखकर उसके चारों ओर के किनारों को छुरी की सहायता से काटकर अलग कर दें।

4. अब ब्रेड स्लाइस को किसी समतल जगह पर रखकर छुरी की सहायता से उन पर चारों ओर हल्का–हल्का बटर लगाएं।

5. जब ब्रेड पर चारों ओर अच्छी तरह से बटर लग जाए, तो उसके बाद उस पर कटे हुए आम के स्लाइस रख दें और ऊपर से काली मिर्च छिड़क दें।

6. इसके बाद सैंडविच को बीच में या हाइगोनल काटकर एक प्लेट में रख दें।

7. अब आपका टेस्टी मैंगो सैंडविच बनकर तैयार हो गया है।

8. इसे ऐसे ही सर्व कर दें।

शरीर में ओमेगा–3 फैटी एसिड की कमी होने पर नजर आते हैं ये 4 संकेत

जब भी शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की बात होती है तो लोग प्रोटीन, विटामिन और मिनरल्स की बात करते हैं, लेकिन ओमेगा–3 फैटी एसिड पर किसी का ध्यान नहीं जाता है। जबकि यह आपके शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए बेहद आवश्यक है। इससे आपकी स्किन से लेकर मस्तिष्क पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ओमेगा –3 फैटी एसिड हेल्दी फैट

होते हैं, जो आपके स्वास्थ्य का ख्याल रखते हैं। आमतौर पर, फिश को ओमेगा–3 का अच्छा स्त्रोत माना जाता है और शाकाहारियों में अक्सर इसकी कमी देखी जाती है। जब आपके शरीर में इसकी कमी होती है तो ऐसे में आपके शरीर में कुछ संकेत नजर आ सकते हैं–

स्किन, बाल और नाखूनों में बदलाव आना

अगर आपको अपनी स्किन रूखी नजर आती है और बाल व नाखून कमजोर होकर टूट रहे हैं तो हो सकता है कि आपके शरीर में ओमेगा –3 की कमी हो। इतना ही नहीं, इसके कारण आपको इससे डैंड्रफ की समस्या के साथ–साथ आपकी स्किन पर रैशेज भी हो सकते हैं।

जोड़ों में दर्द होना

मछली के तेल से प्राप्त ओमेगा–3 में एंटी– इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। जिसके कारण यह स्वाभाविक रूप से जोड़ों में सूजन को कम करता है। इससे आपके जोड़ों में दर्द व पैरों में ऐंठन की समसया दूर होती है। हालांकि, अगर आपको पिछले कुछ समय से जोड़ों में दर्द की शिकायत है तो हो सकता है कि आपके शरीर में ओमेगा–3 की मात्रा कम हो।

हरदम थकान या नींद न आना

अगर आपको पिछले कुछ वक्त से हरदम थकान की शिकायत रहती हैं या फिर आपको ठीक ढंग से नींद नहीं आती है। तो ऐसा ओमेगा–3 की कमी के कारण भी हो सकता है। इसलिए, आप अपनी डाइट में ओमेगा–3 रिच फूड के साथ–साथ सप्लीमेंटस लेने पर भी विचार करें।

एकाग्रता की कमी

जब शरीर में आवश्यक ओमेगा–3 फैटी एसिड का स्तर कम होता है, तो यह फोकस और मेमोरी से जुड़ी समस्याओं को जन्म दे सकता है। इसके कारण व्यक्ति जल्दी चिड़चिड़ा महसूस करता है या फिर उसे जल्दी गुस्सा आने लगता है।

गर्मियों में बालों को होती है खास देखभाल की जरूरत, ऐसे रुखे और बेजान बालों में आएगी शाइन

अक्सर गर्मियों के मौसम में हमारा पूरा फोकस सिर्फ स्किन केयर की तरफ होता है। किस तरह से स्किन को टैनिंग से बचाना है। सनस्क्रीम लगाकर बाहर निकलना आदि, लेकिन इस के बीच हम अपने बालों का ख्याल रखना भूल जाते हैं। महिलाओं से लेकर पुरुषों तक की खूबसूरती बढ़ाने का काम बाल काम करते हैं। इसलिए जितनी स्किन की केयर करनी चाहिए, उतना ही बालों को भी केयर और देखभाल की जरूरत होती है। गर्मियों में बालों का ख्याल नहीं रखने पर धूप, धूल और पॉल्यूशन के कारण यह डैमेज होकर टूटने लगते हैं। आइए जानते हैं कि गर्मियों में बालों की किस तरह से देखभाल करनी चाहिए।

बालों की साफ–सफाई

गर्मियों के मौसम में सप्ताह में करीब 2 से 3 बार शैंपू करना चाहिए। क्योंकि गर्मी में पसीना निकलने के कारण पसीना और ऑयल स्कैल्प पर जमा होते रहते हैं। जिसकी वजह से खुजली और इंफेक्शन आदि हो जाता है। इससे बचने के लिए शैपू करें। साथ ही बालों को धोने के लिए गर्म पानी के इस्तेमाल से बचना चाहिए। हालांकि आप गुनगुना पानी इस्तेमाल कर सकते हैं।

धूप से सुरक्षा

सूरज की हानिकारक यूवी किरणें न सिर्फ हमारी स्किन के लिए बल्कि यह बालों को भी काफी नुकसान पहुंचाती हैं। सूरज की हानिकारक यूवी किरणों के कारण बाल में ड्रायनेस की समस्या बढ़ सकती है। जिसके कारण बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं। इसलिए धूप में निकलने से पहले हमेशा बालों को दुपट्टे या स्टोल से कवर कर लें।

कंडीशनर

बालों के लिए जितना ही जरूरी शैंपू होता है, उतना ही जरूरी कंडीशनर भी है। कंडीशनर से बालों को पोषण मिलता है। इसके इस्तेमाल से बाल हाइड्रेट रहते हैं और उलझते भी कम हैं। बालों पर बाजार के केमिकल युक्त प्रोडक्ट का इस्तेमाल किए जाने से बचना चाहिए। अगर आप चाहें तो घर की नेचुरल चीजों के इस्तेमाल से कंडीशनर बना सकते हैं। यह आपके बालों के लिए भी फायदेमंद होगा।

स्टाइलिंग टूल्स

अगर आप भी बालों की स्टाइलिंग के लिए बहुत ज्यादा हीटिंग टूल्स का इस्तेमाल करती हैं। तो आपको बता दें कि यह आपके बालों की क्वालिटी को नुकसान पहुंचा सकता है। हीटिंग टूल्स के यूज से बाल ड्राय होकर बहुत ज्यादा टूटने लगते हैं। ऐसे में अगर भी बालों को घना और मुलायम बनाए रखना चाहती हैं तो हीटिंग टूल्स के अधिक इस्तेमाल से बचना चाहिए।

ट्रिमिंग भी है जरूरी

बालों की अच्छी ग्रोथ के लिए और दोमुहे बालों को कम करने के लिए समय–समय पर ट्रिम कराना चाहिए। ट्रिमिंग कराने से बालों की प्रॉब्लम से भी काफी हद तक राहत मिलती है।

गर्मियों में बच्चों को बीमारियों से कोसो दूर रखेगा खरबूजा, हैल्थ को मिलेंगे जबरदस्त फायदे

गर्मी के मौसम ने दस्तक दे दी है ऐसे में इस मौसम में उमस के कारण शरीर को कई तरह की बीमारियां होने लगती हैं। खासकर बच्चों की इम्यूनिटी पॉवर कमजोर होती है जिसके कारण उन्हें कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं। ऐसे में इस मौसम में बच्चों के शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आप उन्हें हैल्दी डाइट का सेवन करवा सकते हैं। पोषक तत्वों से भरपूर तरबूज बच्चों की हैल्थ के लिए इस मौसम में काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। तो चलिए आपको बताते हैं इस मौसम में तरबूज खिलाने से बच्चों को क्या–क्या फायदे होंगे...

शरीर को रखेगा हाइड्रेट

तरबूज में विटामिन–ए, सी, बी, फाइबर, पौटेशियम, आयरन और 90 प्रतिशत से भी ज्यादा पानी पाया जाता है ऐसे में गर्मियों में तरबूज खाने से बच्चों को शरीर हाइड्रेट रहेगा। इसका सेवन करने से इस मौसम में उनके शरीर में पानी की कमी भी नहीं होगी।

पाचन रहेगा हैल्दी

इसमें डाइट्री फाइबर पाया जाता है जिसके कारण यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर रखने में मदद करता है। इसका सेवन करने से इस मौसम में पेट में दर्द, कब्ज, उल्टी, पेट फूलना जैसी समस्याओं से राहत मिलती है।

मजबूत होगी हड्डियां

तरबूज को कैल्शियम और मैग्नीशियम का काफी अच्छा स्त्रोत

माना जाता है इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व बच्चों की हड्डियों का विकास करने में भी मदद करते हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार, जिन बच्चों की हड्डियां कमजोर होती हैं उन्हें एक्सपर्ट्स 200 ग्राम तरबूज खाने की सलाह देते हैं। इसके अलावा इसमें कैल्शियम भी पाया जाता है जो दांतो के लिए काफी अच्छा माना जाता है।

इम्यूनिटी होगी मजबूत

तरबूज में विटामिन–सी कॉम्पेलक्स पाया जाता है जो इम्यूनिटी मजबूत करने में मदद करता है। कई शोधों में यह बात साबित हुई है कि इसका सेवन करने से रेड ब्लड सेल्स का निर्माण, नर्वस सिस्टम का विकास और मेटाबॉल्जिम बूस्ट करने में सहायता मिलती है।

दिल को भी रखेगा हैल्दी

गलत खान–पान के कारण बच्चे हार्ट संबंधी समस्याओं का शिकार हो रहे हैं ऐसे में आप उन्हें तरबूज खिला सकते हैं। इसमें पाया जाने वाला लाइकोपीन नाम का एंटीऑक्सीडेंट हार्ट हैल्थ के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। यह बच्चों की कार्डियोवैस्क्यूलर हैल्थ सुधारने में मदद करता है।

कब खिला सकते हैं बच्चे को तरबूज?

आप बच्चे को 6 महीने की उम्र के बाद ठोस आहार देना शुरु कर सकते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि जब भी आप बच्चे को तरबूज दें इसमें बीज न हो। तरबूज मैश करके या फिर प्यूरी बनाकर आप उनकी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

कॉर्न फ्लेक्स या पराठा में से कौन सा नाश्ता आपके लिए है बेस्ट, जानें क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

अगर कोई आपसे कहे कि आप पराठा खाकर अपना वेट लॉस कर सकते हैं। तो इस पर आपका क्या रिएक्शन होगा। भले ही आपको यह सुनकर हैरानी हो, लेकिन इस बात में पूरी तरह से सच्चाई है। हालांकि हम सभी अपने घरों में बचपन से पराठा खाते आए हैं। लेकिन आज के समय में ज्यादातर लोगों की ब्रेकफास्ट प्लेट से पराठा हटता जा रहा है।

अब लोगों का मानना है कि पराठा हमारे लिए हेल्दी नहीं है। इसके लिए हम सभी अपने नाश्ते में पराठे की जगह कॉर्न फ्लेक्स को दे रहे हैं। इसका एक कारण यह भी है कि बिजी लाइफस्टाइल होने के चलते लोगों के पास ब्रेकफास्ट बनाने का समय नहीं होता है। लेकिन वेटलॉस के लिए पराठा बेहतर है या कॉर्न फ्लेक्स। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको डाइटीशियन स्वाति बथवाल की राय बताने जा रहे हैं। तो आइए जानते हैं कि क्या कहना है हेल्थ एक्सपर्ट्स का

कैलोरी काउंट

अगर आप 100 ग्राम के पराठे को 5 ग्राम घी में पकाकर बनाते हैं। या फिर 5 ग्राम सफेद मक्खन के साथ 100 ग्राम की स्टफ्ड रोटी को खाते हैं। तो इसकी कैलोरी करीब 200–250 होगी। हालांकि इसके लिए पराठे के साइज और स्टफिंग का भी ध्यान रखना होगा। छोटी डिनर प्लेट के साइज जितना पराठा होना चाहिए। कॉर्न फ्लेक्स से इसकी न्यूट्रिशन वैल्यू अधिक होगी और इससे पेट भी लंबे समय तक भरा रहेगा। वहीं अगर हम ब्रेक फास्ट में आधा कप कॉर्न फ्लेक्स लेते हैं। यह करीब 1 कप पराठे के बराबर होगा। लेकिन इससे आपका पेट नहीं भरेगा। वहीं म्यूसली बस 2 चम्मच यानी की क्वार्टर कप लेनी चाहिए।

आप 100 ग्राम कॉर्न फ्लेक्स के साथ दूध लेते हैं तो इसमें करीब 300 कैलोरीज होंगी। जो एक पराठे से ज्यादा है। वहीं अगर सीरियल में नट्स और फ्रूट्स भी डालेंगे तो इसका कैलोरी काउंट और बढ़ जाएगा। अगर पराठे को अच्छे से सब्जी डालकर बनाया जाए तो यह फ्रेश भी रहेगा और न्यूट्रिशन भी ज्यादा होंगे।

इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप रिफाइंड तेल में पराठे को बनाएंगे तो ये आपके लिए हेल्दी नहीं होगा। साथ ही इससे गैस और पेट में सूजन की समस्या हो सकती है। क्योंकि यह मेटाबॉलिक रेट को कम करता है। हालांकि इसका मतलब यह भी नहीं होता है कि आप कितनी भी मात्रा में घी का इस्तेमाल कर सकती हैं। पराठे को सेंकने के लिए ज्यादा घी का यूज नहीं करना चाहिए। स्टफ्ड रोटी बनाकर आप इसको 5 ग्राम सफेद मक्खन के साथ खा सकते हैं। लेकिन अगर पराठा बना रहे हैं तो 5 ग्राम घी में सेकें। इससे ज्यादा घी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

जानें एक्सपर्ट्स की राय

एक्सपर्ट्स का मानना है कि पराठा फ्रेश होता है। क्योंकि यह घर पर ही बनता है। आप तरह–तरह के आटे में पराठे को बना सकते हैं। साथ ही इसमें वेजिटेबल्स, दाल या पनीर डालकर हाई प्रोटीन पराठा भी बना सकते हैं। पराठे में स्टफिंग के लिए सिर्फ हेल्दी स्टफिंग को चुनें। प्रयास करें कि यह आलू का पराठा न हो। पराठे में स्टफिंग के लिए वेजिटेबल्स, दाल या पनीर ले सकते हैं। इससे प्रोटीन भी अच्छी मात्रा में मिलेगा।

रागी, जौ या ज्वार के आटे का पराठा फाइबर रिच होता है। साथ ही इससे आपको लंबे समय तक भूख भी नहीं लगती है। पराठा नैचुरल और टेस्टी भी होता है। ऑयल फ्री अचार या चटनी के साथ इस पराठे की न्यूट्रिशन वैल्यू बढ़ जाती है।

अगर आप कॉर्न फ्लेक्स की बात करते हैं तो फिर कोई भी कॉर्न फ्लेक्स हो, सीरियल हो या म्यूसली हो वह पराठे की तुलना में कम हेल्दी होता है। इसे मार्केट में हाई फाइबर या हाई प्रोटीन कहकर उतारा जाता है। लेकिन पहले इनमें से फाइबर को निकाला जाता है, इसके बाद फिर फाइबर और प्रोटीन एड किया जाता है।

यह प्रोसेस्ड होता है। कोई भी प्रोसेस्ड फूड स्वास्थ्य के लिए हेल्दी व अच्छा नहीं होता है।

गेहूं से बने सीरियल की एक्सरपायरी 7 से 15 महीने की होती है। वहीं हम घर में एक दिन पहले बने पराठे को दूसरे दिन नहीं खाते हैं। इस लिहाज से गेहूं से बने सीरियल पराठे की तुलना में अच्छा नहीं होता है।

संक्षिप्त

20 साल में 1.55 लाख करोड़ की संपत्ति अटैच, 100 पीएमएलए अदालतें फिर भी मामलों में हो रही देरी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशायल की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ती की जब्ती मुकदमेबाजी और स्थगन आदेश के कारण अटकी पड़ी है। इन संपत्तियों को ईडी ने धन शोधन निवारण कानून के तहत अनंतिम रूप से अटैच किया था। जांच एजेंसी को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच के दौरान उन संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच करने का अधिकार है, जिनके बारे में संदेह है कि वे अपराध की आय हैं। इस तरह के अनंतिम आदेश को जारी होने के 180 दिनों के भीतर उक्त कानून के न्यायाधिकरण की ओर से पुष्टि की जानी चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार ईडी ने 2005 से लेकर 2025 तक पीएमएलए के प्रभावी होने के बाद से 1.55 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति अचौट की है, जिनमें से 1.07 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों की पुष्टि वित्तीय वर्ष 2024–25 के अंत तक न्यायाधिकरण की ओर से की जा चुकी है, लेकिन कानूनी बाधाओं के कारण 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक की जब्ती अभी भी अटकी हुई है। ईडी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि देशभर में 100 विशेष पीएमएलए अदालतें होने के बावजूद मनी लॉन्ड्रिंग मामलों की सुनवाई समय पर पूरी नहीं हो पाती। इसमें व्यवस्थागत व प्रक्रियात्मक बाधाएं आ रही हैं। कई अदालतें अन्य कानूनों के तहत मामलों के बोझ से दबी हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, अक्सर अंतरिम आवेदन, रिट याचिका और जमानत के मामले दायर होने से मुकदमे बाधित होते हैं। इनमें से कुछ मामले हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचते हैं, जिससे पीएमएलए के तहत मुकदमों की निरंतरता और शीघ्र निपटान प्रभावित होता है। इस बीच बीते बृहस्पतिवार को ईडी दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निदेशक राहुल नवीन ने कहा कि एजेंसी की सजा दर 93.6 प्रतिशत है। क्योंकि अब तक अदालतों की ओर से तय किए गए 47 मामलों में से केवल तीन मामलों में ही आरोपी बरी हुआ है। एजेंसी प्रमुख ने कहा कि वह स्पष्ट रूप से स्वीकार करते हैं कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत शुरू की गई कई जांचें बहुत लंबे समय से लंबित थीं, लेकिन इस साल हमारा ध्यान जांच पूरी करने और आखिरी आरोपपत्र तेजी से दाखिल करने के प्रयासों पर है।

सर्वे: विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां 10 महीने के शीर्ष पर, नए ऑर्डर की रफ्तार 14 साल में सबसे ज्यादा

नई दिल्ली। देश के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां अप्रैल, 2025 में सुधरकर 10 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गईं। इसमें नए ऑर्डर में मजबूत वृद्धि की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) पिछले महीने बढ़कर 58.2 पहुंच गया, जो जून, 2024 के बाद सबसे ज्यादा है। मार्च में विनिर्माण पीएमआई 58.1 रहा था। एचएसबीसी इंडिया की मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, नए निर्यात ऑर्डर में उल्लेखनीय वृद्धि भारत में उत्पादन में संभावित बदलाव का संकेत दे सकती है। व्यवसाय उभरते व्यापार परिदृश्य और अमेरिकी शुल्क घोषणाओं के अनुकूल हो रहे हैं। इस सकारात्मक प्रवृत्ति के साथ रोजगार और खरीद गतिविधि में बड़ा उछाल देखने को मिला है। कीमतों के मोर्चे पर भंडारी ने कहा, भारतीय वस्तुओं की मजबूत मांग ने कंपनियों की मूल्य निर्धारण क्षमता को बढ़ावा दिया। इससे कच्चे माल की लागत में मामूली वृद्धि के बावजूद बिक्री शुल्क अक्तूबर, 2013 के बाद सबसे अधिक बढ़ गया। भंडारी ने कहा, अप्रैल के आंकड़े बताते हैं कि विनिर्माण क्षेत्र की कंपनियों में आने वाले वर्ष में उत्पादन बढ़ने की संभावनाओं को लेकर धारणा मजबूत है। यह मांग में मजबूती की उम्मीदों से प्रेरित है। सर्वे के मुताबिक, उत्पादन के मोर्चे पर सुधार में योगदान देने वाला एक प्रमुख कारक नए व्यवसाय में तेज वृद्धि रही। विनिर्माण क्षेत्र की विस्तार दर को बेहतर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मांग से समर्थन मिला। वित्त वर्ष 2025–26 की शुरुआत में घरेलू विनिर्माण कंपनियों को विदेश से मिलने वाला नया ऑर्डर 14 वर्ष में सबसे अधिक तेजी से बढ़ा। अफ्रीका, एशिया, यूरोप, पश्चिम एशिया और अमेरिका से घरेलू कंपनियों को सबसे ज्यादा ऑर्डर मिले।

जीएसटी में एक बार की माफी योजना लाएगी सरकार, व्यापारियों के लिए बड़ी खुशखबरी

जीएसटी को लेकर व्यापारी समुदाय में लगातार नाराजगी बनी रही है। व्यापारियों का कहना है कि बार–बार जीएसटी भरना उनके लिए एक कठिन काम हो गया है और इससे उनके कामकाज प्रभावित होते हैं। साथ ही समझने में कमी के चलते कई बार व्यापारियों को हर्जाना भी भुगतना पड़ता है। लेकिन इस बार जीएसटी को लेकर ऐसी खबर आई है जिसका पूरा व्यापारी समुदाय स्वागत करेगा। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने जीएसटी के पुराने पड़े विवादित मामलों को सुलझाने के लिए एक बार जीएसटी माफी योजना लाएगी। इसके अंतर्गत व्यापारी जीएसटी के पुराने विवादों का निबटारा कर सकेंगे और नए तरीके से जीएसटी भरने की शुरुआत कर सकेंगे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक कार्यक्रम में कहा कि जीएसटी को लेकर व्यापारियों की बड़ी शिकायतें रही हैं। लेकिन सरकार व्यापारियों का सहयोग करते हुए इसका उचित समाधान पेश करने की कोशिश करेगी। सबसे पहले जीएसटी के पुराने मामलों के निबटारे के लिए एक मुश्त जीएसटी माफी योजना लागू की जाएगी। इसके बाद व्यापारी नए तरीके से टैक्स का आसानी से भुगतान कर सकेंगे। रोजगार को बढ़ावा देने के लिए सरकार नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी लेकर आएगी। इसके अंतर्गत राजधानी क्षेत्र में कोई भी व्यापार शुरू करने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम शुरू किया जाएगा। यानी व्यापारियों को आवश्यक कागजातों और औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय की ओर भागना नहीं पड़ेगा।

गुजरात ने प्लेऑफ के लिए बढ़ाए कदम, तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंचा; सनराइजर्स की उम्मीदें धूमिल

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 38 रनों से हराया। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 224 रन बनाए थे, जवाब में सनराइजर्स की टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 186 रन ही बना सकी। हैदराबाद के लिए अभिषेक शर्मा ने 41 गेंदों पर चार चौकों और छह छक्कों की मदद से 74 रन बनाए, लेकिन उनकी पारी भी टीम को जीत नहीं दिला सकी। गुजरात की सनराइजर्स के खिलाफ छह मैचों में यह लगातार पांचवीं जीत है जिसमें से तीन अहमदाबाद में मिली है। गुजरात ने इस जीत के साथ ही प्लेऑफ के लिए कदम बढ़ा लिए हैं और वह अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। गुजरात के 10 मैचों में सात जीत और तीन हार के साथ 14 अंक है। दूसरी ओर, करो या मरो के मुकाबले में उतरी हैदराबाद की उम्मीदें को झटका लगा है और उसके लिए आईपीएल 2025 का सफर लगभग समाप्त हो गया है। हैदराबाद के 10 मैचों में तीन जीत और सात हार के साथ छह अंक हैं और वह तालिका में नौवें स्थान पर है।

हेड–अभिषेक ने दिलाई शानदार शुरुआत

लक्ष्य का पीछा करते हुए ट्रेविस हेड और अभिषेक ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई और दोनों ने पहले विकेट के लिए 49 रन जोड़े। प्रसिद्ध ने हेड को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा जो 20 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद ईशान किशन भी 13 रन बनाकर पवेलियन लौटे। हालांकि, अभिषेक और क्लासेन ने अच्छी साझेदारी निभाई और अभिषेक ने अर्धशतक भी पूरा किया, लेकिन ईशांत शर्मा ने अभिषेक को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया। इसके बाद क्लासेन भी 23 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

सनराइजर्स की पारी लड़खड़ाई

सिराज ने फिर अनिकेत वर्मा को तीन रन बनाकर आउट किया और अगली गेंद पर कामिंदु मेंडिस को खाता खोले बिना पवेलियन भेजा। हालांकि, वह हैट्रिक पूरी नहीं कर सके। पैट कमिंस और नीतीश रेड्डी ने अंत में आक्रामक रवैया अपनाया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। नीतीश 10 गेंदों पर एक चौका और दो छक्कों की मदद से नाबाद 21 रन और कमिंस 10 गेंदों पर एक चौका और एक छक्के के सहारे 19 रन बनाकर नाबाद लौटे। गुजरात की ओर से मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो–दो विकेट लिए, जबकि ईशांत शर्मा और गेराल्ड कोएट्जे को एक–एक विकेट मिले।

गिल–बटलर ने जड़े अर्धशतक

इससे पहले, सनराइजर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया, लेकिन गुजरात टाइटंस ने कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर ने अर्धशतक जड़े। गुजरात के लिए गिल ने सबसे ज्यादा 38 गेंदों पर 10 चौकों और दो छक्कों की मदद से 76 रन बनाए, जबकि बटलर ने 37 गेंदों पर तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से 64 रन की पारी खेली।

मुंबई इंडियंस नहीं, गावस्कर ने इस टीम को बताया आईपीएल खिताब का प्रबल दावेदार

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आईपीएल 2025 का चौंपियन बनने का प्रबल दावेदार बताया है। आरसीबी ने मौजूदा सीजन शानदार प्रदर्शन किया है और घर से बाहर अपने सभी मैच जीते हैं। आरसीबी की टीम 10 मैचों में सात जीत और तीन हार के साथ 14 अंक लेकर तालिका में तीसरे स्थान पर मौजूद है। आरसीबी की टीम इस सीजन अलग ही लय में नजर आ रही है और एक टीम के तौर पर खेल रही है। आरसीबी के लिए अच्छी बात यह है कि वह दो–तीन खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं है। उनके पास टिम डेविड, क्रुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, देवदत्त पडिक्कल और जोश हेजलवुड के रूप में मैच विनर खिलाड़ी भी मौजूद हैं। टीम के फॉर्म पर बोलते हुए गावस्कर ने कहा कि सिर्फ मुंबई इंडियंस ही ऐसी टीम है जो आरसीबी के ऑलराउंड स्ट्रेंग्थ के करीब है। उन्होंने हालांकि, आरसीबी को ही खिताब का प्रबल दावेदार बताया है। गावस्कर ने स्पोर्ट्स टूडे से बातचीत में कहा, आरसीबी, उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की और शानदार फील्डिंग भी की। मुंबई इंडियंस करीब है, लेकिन उन्होंने अभी–अभी बढ़त हासिल की है। सवाल यह है कि क्या वे इसे बरकरार रख पाएंगे, क्योंकि उन्हें शीर्ष टीमों के खिलाफ तीन कठिन मैच खेलने हैं। वे इस लय को कैसे बनाए रखते हैं, यह महत्वपूर्ण होगा। लेकिन हां, आरसीबी निश्चित रूप से खिताब की प्रबल दावेदार है। आरसीबी ने अब तक अपने घरेलू मैदान पर सभी मुकाबले गंवाए है। आरसीबी के चार मैच शेष हैं जिसमे से दो ऐसी टीम के खिलाफ हैं जिन्हें वह आईपीएल 2025 में एक बार हरा चुकी है।

अवनीत कौर की तस्वीर को पहले किया लाइक, ट्रोल होने के बाद विराट कोहली ने दी सफाई, जानें क्या कहा?

आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के आधिकारिक इंस्टा अकाउंट से एक्ट्रेस अवनीत कौर की तस्वीर लाइक होने के बाद से सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा हो रही थी। अब विराट कोहली ने उस तस्वीर के लाइक होने पर सफाई पेश की है। उन्होंने शुक्रवार को एक स्टोरी पोस्ट करके कहा कि इंस्टाग्राम की एल्गोरिदम की वजह से फोटो लाइक हुई थी। इसके बीच कोई और कारण नहीं है। विराट कोहली ने अपने इंस्टाग्राम पर स्टोरी पोस्ट करके लिखा कि, मैं ये स्पष्ट करना चाहता हूं कि अपनी फीड साफ करते समय, ऐसा लगता है कि एल्गोरिथ्म ने गलती से कोई इंटरैक्शन रजिस्टर कर लिया है। इसके पीछे कोई इरादा नहीं था।

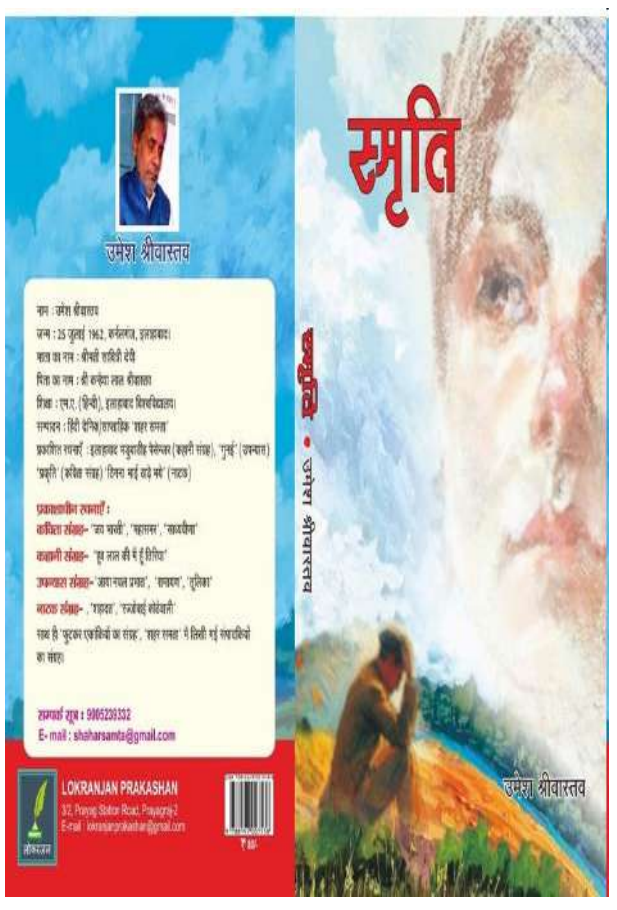

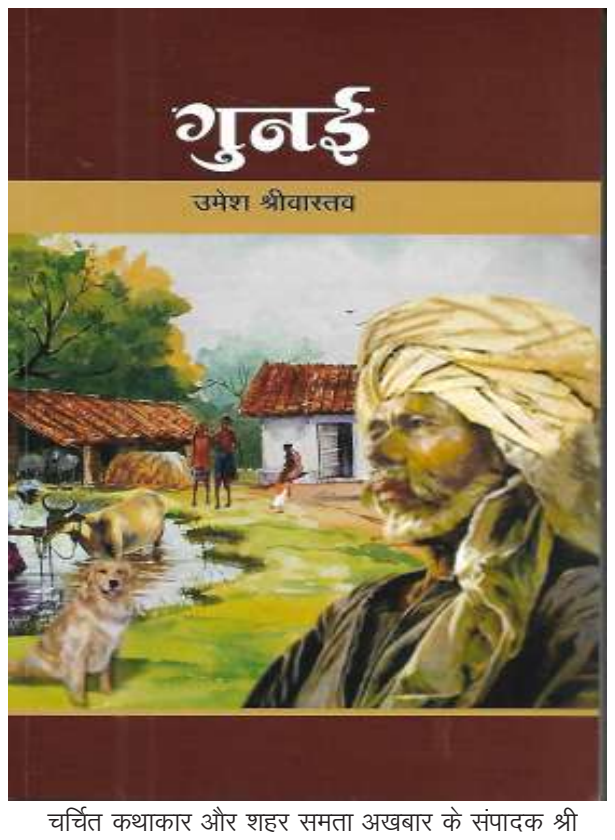

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

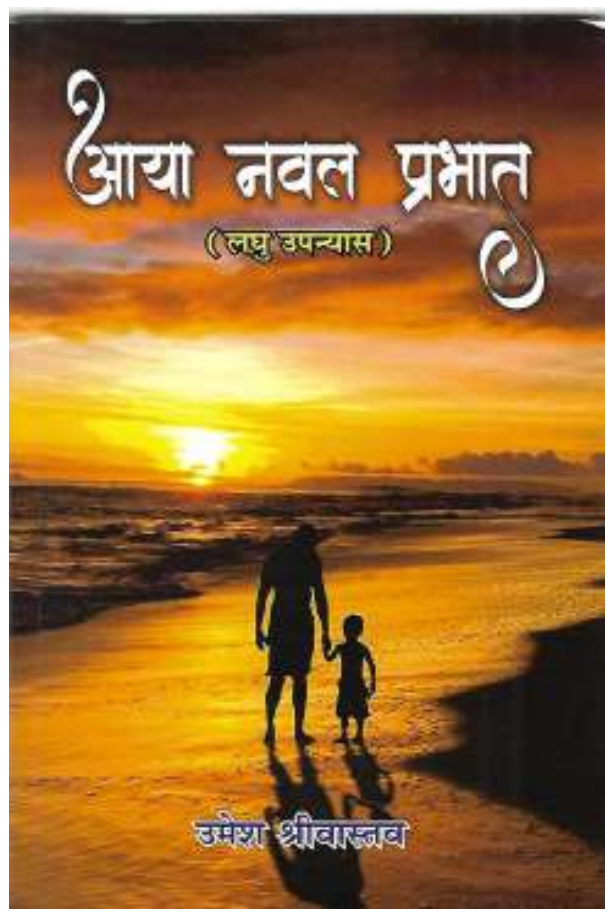

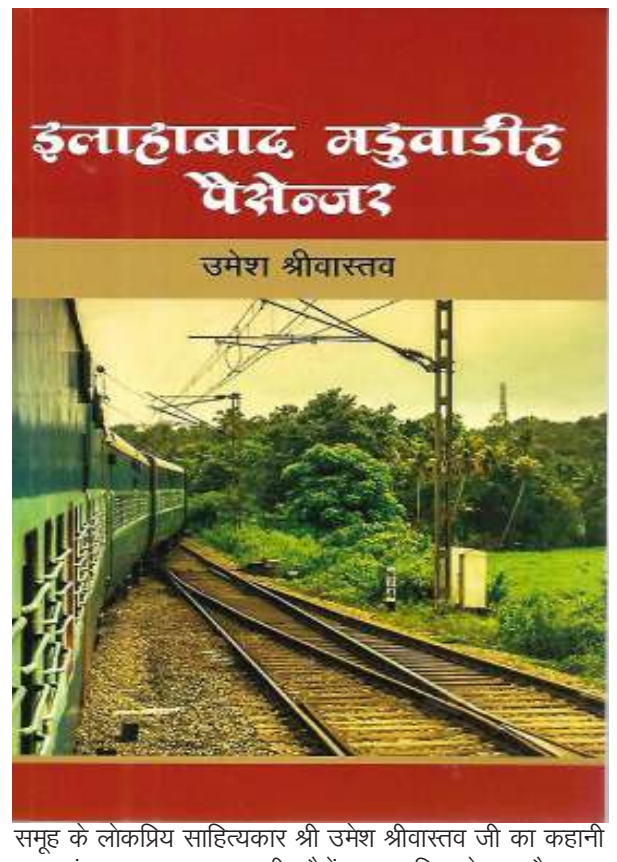

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

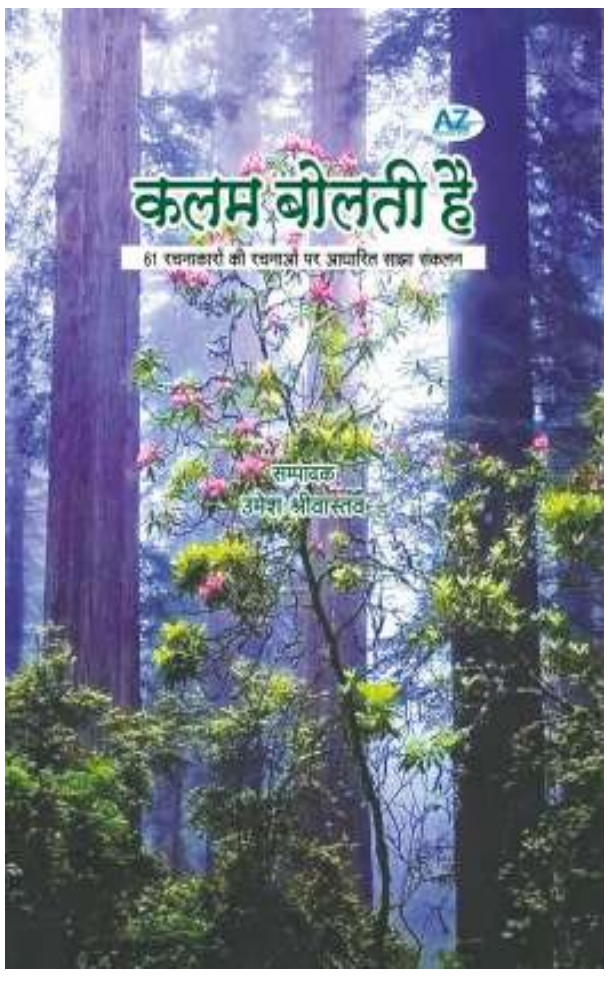

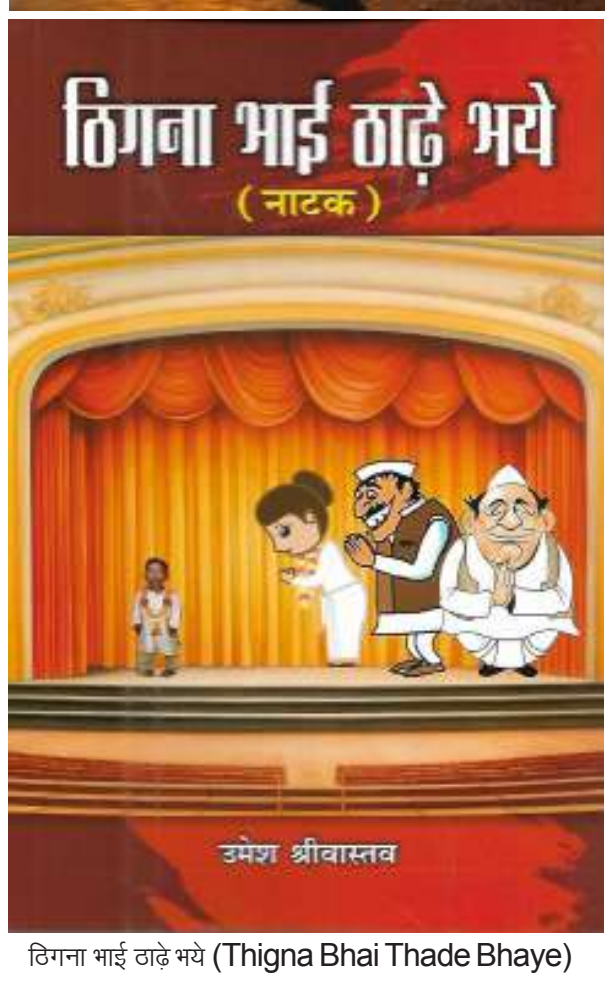

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त समाचार

सिंगापुर में आम चुनाव के लिए मतदान शुरू

सिंगापुर में आम चुनाव के लिए शनिवार सुबह आठ बजे (स्थानीय समयानुसार) मतदान शुरू हो गया जो रात आठ बजे तक जारी रहेगा। लोग सुबह से मतदान केंद्र पर पहुंचने लगे हैं। देश में 27,58,846 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिए पात्र हैं। मतदान के लिए 1,240 केंद्र बनाए गए हैं। देर रात तक नतीजे आने की उम्मीद है। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस

वोंग ने लोगों से सत्तारूढ़ 'पीपुल्स एक्शन पार्टी' (पीएपी) के लिए वोट देने की अपील की। कुल 97 संसदीय सीट में से 92 पर विभिन्न राजनीतिक दलों के 211 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। इन चुनाव में महंगाई एवं विदेशी श्रमिकों की बढ़ती संख्या प्रमुख मुद्दे रहे। देश में 32 निर्वाचन क्षेत्रों में 11 राजनीतिक दल और दो निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में हैं। सिंगापुर में निर्वाचन क्षेत्र वे चुनावी प्रभाग होते हैं जिनका प्रतिनिधित्व संसद में एक या एक से अधिक सीट द्वारा किया जा सकता है। पीएपी ने सभी निर्वाचन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि विपक्षी 'वर्कर्स पार्टी' (डब्ल्यूपी) आठ निर्वाचन क्षेत्रों में 26 संसदीय सीट पर चुनाव लड़ रही है। 'प्रोग्रेस सिंगापुर पार्टी' (पीएसपी) ने छह निर्वाचन क्षेत्रों में 13 उम्मीदवार उतारे हैं।

लॉस एंजिलिस के पास एक कॉलेज परिसर में गोलीबारी, दो महिलाएं घायल

दक्षिणी कैलिफोर्निया के एक कॉलेज परिसर में शुक्रवार को गोलीबारी की घटना में दो महिलाएं घायल हो गईं। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। इंगलवुड के मेयर जेम्स बट्स ने बताया कि गोलीबारी की यह घटना 'स्पार्टन कॉलेज ऑफ एरोनॉटिक्स एंड टेक्नोलॉजी कैंपस' में शाम चार बजे के आसपास हुई। समाचार चैनल 'केएबीसी–टीवी' पर बट्स ने कहा कि संदिग्ध फरार है और उसे तलाशा जा रहा है। उन्होंने बताया कि दोनों महिलाएं स्कूल की कर्मचारी हैं और संदिग्ध एक पूर्व कर्मचारी है। गोलीबारी स्कूल के एक कार्यालय में हुई। बट्स ने बताया कि गोली लगने से घायल हुई महिलाओं में एक की हालत गंभीर है। लॉस एंजिलिस काउंटी के अग्निशमन विभाग ने दो महिलाओं के अस्पताल में भर्ती होने की पुष्टि की है।

ऑस्ट्रेलिया में आम चुनाव के लिए मतदान आरंभ, महंगाई एवं आवास की कमी मुख्य मुद्दे

ऑस्ट्रेलिया में आम चुनाव के लिए शनिवार को मतदान शुरू हो गया। देश में चुनाव प्रचार के दौरान महंगाई और आवास की कमी प्रमुख मुद्दे रहे। पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में मतदान सुबह आठ बजे शुरू हुआ और यह शाम छह बजे तक जारी रहेगा। समय क्षेत्र

(टाइम जोन) में अंतर के कारण पश्चिमी तट पर मतदान दो घंटे बाद आरंभ और समाप्त होगा। प्राधिकारियों ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया में एक करोड़ 81 लाख पंजीकृत मतदाता हैं। ऑस्ट्रेलिया उन कुछ देशों में से एक है जहां मतदान अनिवार्य है। इससे पहले 2022 में हुए चुनाव में 90 प्रतिशत पात्र मतदाताओं ने मतदान किया था। देश के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज की 'लेबर पार्टी' का तीन वर्षीय कार्यकाल के लिए लगातार दूसरी बार सत्ता में आने का लक्ष्य है।

इमरान खान की पार्टी के 82 कार्यकर्ताओं को चार महीने की जेल की सजा

पाकिस्तान की एक आतंकवाद निरोधी अदालत ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के 82 कार्यकर्ताओं को पिछले साल हुए हिंसक विरोध–प्रदर्शन के सिलसिले में शुक्रवार को चार महीने की जेल की सजा सुनाई। इस्लामाबाद और रावलपिंडी में 26 नवंबर 2024 को हुए विरोध–प्रदर्शन के बाद 1,500 से अधिक पीटीआई समर्थकों को गिरफ्तार किया गया था। इन लोगों ने सरकार पर पार्टी संस्थापक इमरान खान को रिहा करने का दबाव बनाने के लिए प्रदर्शन किया था। इमरान अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं।

आईटीबीपी के पर्वतारोहियों ने दुनिया की पांचवीं सबसे ऊंची चोटी माउंट मकालू पर चढ़ाई की

भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के पर्वतारोहियों के एक दल ने नेपाल में स्थित दुनिया की पांचवीं सबसे ऊंची चोटी माउंट मकालू पर सफल चढ़ाई की है। इसके साथ ही आईटीबीपी माउंट मकालू पर चढ़ाई करने वाला भारत का पहला केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल बन गया है। चीन की सीमा के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की सुरक्षा करने वाले बल ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि 8,485 मीटर ऊंची चोटी पर 19 अप्रैल को चढ़ाई की गई।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

.919450482227

पहलगाम हमला : लगातार उकसावे की कार्रवाई कर रहा पाकिस्तान, भारत से तनाव के बीच किया अब्दाली मिसाइल का परीक्षण

इस्लामाबाद। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के साथ बढ़े तनाव के बीच पाकिस्तान ने शनिवार को अब्दाली मिसाइल का परीक्षण किया है। अब्दाली हथियार प्रणाली, 450 किलोमीटर की रेंज वाली सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है। पाकिस्तान की ओर से यह परीक्षण ऐसे समय किया गया है, जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है। पाकिस्तानी सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इस प्रक्षेपण का उद्देश्य सैनिकों की अभियानगत तत्परता सुनिश्चित करना और मिसाइल की उन्नत नौवहन प्रणाली तथा उन्नत गतिशीलता विशेषज्ञताओं सहित प्रमुख तकनीकी मापदंडों की जांच करना था। सेना ने अभ्यास के बारे में विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा कि मिसाइल प्रक्षेपण अभ्यास इंडस का हिस्सा था, जो सफल रहा है। प्रशिक्षण प्रक्षेपण में सेना सामरिक बल कमान के कमांडर, सामरिक योजना प्रभाग, सेना सामरिक बल कमान के वरिष्ठ अधिकारी आदि मौजूद थे। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुखों ने सैनिकों, वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई दी। उन्होंने किसी भी आक्रमण के खिलाफ विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोध सुनिश्चित करने और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने के लिए पाकिस्तान के सामरिक बलों की तैयारियों और तकनीकी दक्षता पर पूरा भरोसा जताया।

सोची–समझी रणनीति के तहत दुस्साहस कर रहा पाकिस्तान

पाकिस्तानी सेना के यह पैंतरे पहले से तनावपूर्ण माहौल को और खराब कर रहे हैं। ऐसे में जानकारों का मानना है कि पाकिस्तान एक सोची–समझी रणनीति के तहत यह खतरनाक दुस्साहस कर रहा है। हालांकि, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि पाकिस्तान को यह दुस्साहस भारी पड़ सकता है। पाकिस्तान तनाव की आग में उकसावे का बारूद झोंकने की पूरी कोशिश में जुटा है।

घबराई हुई है पाकिस्तानी सेना

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानी सेना इस कदर

घबराई हुई है कि पाकिस्तानी सेना ने पहले 23 अप्रैल की रात को मिसाइल परीक्षण का नोटिस जारी किया था, लेकिन किसी बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण नहीं किया गया। इसके बाद 26–27 अप्रैल को भी पाकिस्तानी नौसेना द्वारा कराची के तट पर मिसाइल परीक्षण का नोटिस जारी किया गया, लेकिन तब भी कोई मिसाइल लॉन्च नहीं की गई। 2 मई को भी पाकिस्ता ने भारत के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन के नजदीक मिसाइल परीक्षण का नोटिफिकेशन जारी किया गया, लेकिन इस बार भी कोई परीक्षण नहीं किया गया।

अमेरिका ने सऊदी अरब को एयर–टू–एयर मिसाइल बेचने की दी मंजूरी

डोनाल्ड ट्रंप की यात्रा से पहले बड़ा सौदा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस महीने सऊदी अरब की प्रस्तावित यात्रा करने वाले हैं। ट्रंप की इस यात्रा से पहले ही अमेरिका ने सऊदी अरब के साथ अपने संबंधों को लेकर अपना रुख साफ करते हुए सऊदी अरब को 3.5 अरब डॉलर (करीब 29 हजार करोड़ रुपये) की एयर–टू–एयर मिसाइलें बेचने की शुरुआती मंजूरी दे दी है। माना जा रहा है कि अमेरिका द्वारा सऊदी अरब को एयर–टू–एयर मिसाइलें बेचने की मंजूरी ट्रंप की सऊदी यात्रा के दौरान घोषित होने वाले कई समझौतों में से एक हो सकता है।

अमेरिकी रक्षा सुरक्षा एजेंसी ने दी जानकारी

मामले में अमेरिकी रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी (डीएससीए) ने बयान जारी कर बताया कि यह प्रस्तावित बिक्री अमेरिका की विदेश नीति और

राष्ट्रीय सुरक्षा लक्ष्यों का समर्थन करती है। यह खाड़ी क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक प्रगति में मददगार एक साझेदार देश की सुरक्षा को बेहतर बनाएगी। बता दें कि इस सौदे के तहत सऊदी अरब को 1,000 ।ड–120ड–8 एडवांस्ड एयर–टू–एयर मिसाइलें, उनके गाइडेंस सिस्टम और तकनीकी सपोर्ट मिलेगा। ये मिसाइलें अमेरिका की कंपनी त्ग ब्तचए टक्सन (एरिज़ोना) में बनाएगी। सऊदी रॉयल एयरफोर्स के पास अमेरिका के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा थ–15 लड़ाकू विमान बेड़ा है। हालांकि ट्रंप प्रशासन के मंजूरी के बाद अब यह प्रस्ताव अमेरिकी कांग्रेस के पास जाएगा, जहां सांसद इस पर चर्चा करेंगे और चाहें तो इसे रोक भी सकते हैं।

सऊदी अरब को लेकर अमेरिकी कांग्रेस में नाराजगी

सऊदी अरब को लेकर अमेरिकी कांग्रेस में पहले भी नाराजगी रही है। कारण है कि 2015 में यमन युद्ध के दौरान सऊदी हमलों में नागरिकों की मौत हुई थी। 2018 में वॉशिंगटन पोस्ट के पत्रकार जमाल खशोगी की इस्तांबुल में सऊदी वाणिज्य दूतावास में हत्या के बाद विवाद और बढ़ गया। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का मानना है कि यह हत्या क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के आदेश पर हुई, हालांकि सऊदी सरकार इससे इनकार करती है। ऐसे में ट्रंप प्रशासन का ये फैसला रिश्तों को नई दिशा दे सकता है।

ट्रंप के सऊदी से रिश्ते

राष्ट्रपति रहते हुए भी और बाद में भी ट्रंप के खाड़ी देशों से नजदीकी रिश्ते रहे हैं। उनकी रियल एस्टेट कंपनी ने भी इस क्षेत्र में सौदे किए हैं। 2017 में ट्रंप ने परंपरा तोड़ते हुए अपनी पहली विदेश यात्रा सऊदी अरब से शुरू की थी। अब 2025 में भी वे पहले सऊदी ही जा रहे हैं, जबकि वो पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के लिए इटली जरूर गए थे।

क्या डोनाल्ड ट्रंप बनने वाले हैं अगले पोप? सोशल मीडिया पर डाली खुद की तस्वीर

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ।' द्वारा बनाई गई एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें उन्हें पोप की पोशाक पहने हुए दिखाया गया है। ट्रंप ने अपनी इस टिप्पणी के बाद कहा था कि वह 'पोप बनना चाहेंगे'। इस पोस्ट पर मिली–जुली प्रतिक्रियाएं आईं। कुछ यूजर्स ने इसे मजाकिया पाया, जबकि अन्य ने इसे असंवेदनशील करार दिया। ट्रंप पर पोप फ्रांसिस की मौत का मजाक उड़ाने का आरोप लगाया गया। हाल ही में, जब एक रिपोर्टर ने ट्रम्प से पूछा कि क्या वह अगला पोप बनना चाहेंगे, तो उन्होंने कहा, मैं पोप बनना चाहूँगा। यह मेरी पहली पसंद होगी। यह पूछे जाने पर कि उन्हें लगता है कि अगला पोप कौन बनना चाहिए, ट्रम्प ने कहा, नहीं, मुझे नहीं पता, मेरी कोई प्राथमिकता नहीं है।' उन्होंने आगे कहा, मुझे कहना होगा कि हमारे पास एक कार्डिनल है जो न्यूयॉर्क नामक जगह से है जो बहुत अच्छा है, इसलिए हम देखेंगे कि क्या होता है।' साउथ कैरोलिना की सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने एक्स पर एक पोस्ट में ट्रम्प की बोली पर विचार करने के लिए पोप कॉन्क्लेव से अनुरोध किया। नए पोप के चयन के लिए आयोजित होने वाले सम्मेलन की तैयारियां शुक्रवार को सिस्टिन चौपल की छत पर चिमनी लगाए जाने के साथ ही तेज हो गईं। इस चिमनी से निकलने वाले धुएं से पोप फ्रांसिस के उत्तराधिकारी के चुनाव का संकेत दिया जाएगा। शुक्रवार को सिस्टिन चौपल के ऊपर वेटिकन के दमकल कर्मियों को चिमनी लगाते हुए देखा गया। यह काम सात मई को आयोजित होने वाले सम्मेलन की तैयारियों के तहत विशेष स्थान रखता है। सिस्टिन चौपल में मतदान के प्रत्येक दो चरण के बाद सभी कार्डिनल के मतपत्रों को एक विशेष भट्ठी में जलाया जाता है और इससे निकलने वाला धुआं बाहरी दुनिया को परिणाम का संकेत देता है। अगर किसी उच्च पादरी को पोप नहीं चुना जाता है, तो मतपत्रों में पोटेशियम परक्लोरेट, एन्थ्रेसीन (कोयला टार का एक घटक) और सल्फर युक्त 'कार्ट्रिज' मिलाए जाते हैं, ताकि काला धुआं निकले।

यूक्रेन में युद्ध खत्म करने की अमेरिकी कोशिश रूस के पक्ष में, मिलीजुली प्रतिक्रिया

यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध समाप्त करने की कोशिशों के तहत मॉस्को में स्थित रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के सभागार में, सेंट पीटर्स बेसिलिका के चमकदार संगमरमर के फर्श पर तथा व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में महत्वपूर्ण चर्चाओं का दौर चल रहा है। यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए वाशिंगटन के नेतृत्व वाले प्रयास से अब तक जो कुछ सामने आया है, उससे ऐसा प्रतीत होता है कि यह समझौता रूस के लिए अनुकूल है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को कड़ी फटकार लगाई है, क्रेमलिन की बातों को दोहराया है, तथा इस बात का संकेत दिया है कि कीव को अपना क्षेत्र छोड़ना होगा इसके अलावा उसे नाटो की सदस्यता भी छोड़नी पड़ेगी। इसके अलावा, ट्रंप ने मास्को के साथ ऐसे समझौते किए हैं जिसकी महीनों पहले तक कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। हाल ही में, ट्रंप ने मिश्रित संकेत दिए हैं – सोशल मीडिया पोस्ट में कहा गया है कि शायद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन उन्हें बहका रहे हैं तथा अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है। हालांकि, अब तक की स्थिति क्रेमलिन के पक्ष में रही है, लेकिन जो भी प्रस्ताव रखे गए थे, वे अभी तक अंतिम रूप नहीं ले पाए हैं। तथा बुधवार को वाशिंगटन और कीव ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत अमेरिका को यूक्रेन के विशाल खनिज संसाधनों तक पहुंच प्रदान की गई। इस समझौते से रूस की ओर से जारी हमलों के बावजूद देश को सैन्य सहायता जारी रखने में मदद मिल सकेगी। जेलेंस्की ने ब्रुस्पतिवार को कहा कि यह समझौता पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार से पहले वेटिकन में ट्रंप के साथ उनकी "वास्तविक ऐतिहासिक" बैठक का पहला परिणाम है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो

शरद कुमार श्रीवास्तव

7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक

स्व.कन्हैया लाल

स्व.श्रीमती साधना

सम्पादक

उमेश चंद्र श्रीवास्तव

प्रबन्ध सम्पादक

अरविन्द पाण्डेय

संयुक्त सम्पादक

अनंत श्रीवास्तव

संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)

केशव श्रीवास्तव

विधि सलाहकार

कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक

उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.

यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

गाजा में भूख से जूझ रहे बच्चे और बड़े, थोड़े से चावल के लिए भी मांग रहे भीख; इस्राइल ने रोकी सहायता

इस्राइल ने गाजा पट्टी में मानवीय सहायता रोक दी है, जिससे वहां भुखमरी का आलम है। बच्चों से लेकर बड़ों तक भोजन पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। आलम यह है कि लोग थोड़े से चावल के लिए भी भीख मांग रहे हैं। खाने के लिए लोगों की भारी भीड़ जमा हो रही है, जिसके चलते उन्हें धक्का–मुक्की का सामना करना पड़ रहा है। दक्षिणी गाजा के खान यूनिस में शुक्रवार को भोजन पाने के लिए संघर्ष के चलते सामुदायिक रसोई पर भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे वहां अफरातफरी का माहौल बन गया। निवेन अबू अरार नामक 33 वर्षीय महिला वहां समय पर नहीं पहुंच सकी, जिसके चलते उसे खाली हाथ लौटना पड़ा। उसकी आंखों में आंसू भरे थे।

आखिर कब तक जिंदगी ऐसी रहेगी, हम धीरे–धीरे मर रहे : अबू अरार

अबू अरार आठ बच्चों की मां है और उसका नौवां बच्चा (लड़का) 2023 की युद्ध की शुरुआत में इस्राइली हमले में मारा जा चुका है। छोटे बच्चे को गोद में लिए अबू अरार ने कहा कि आखिर कब तक जिंदगी ऐसी ही रहेगी। हम धीरे–धीरे मर रहे हैं। हमने डेढ़ महीने से रोटी नहीं खाई है। आटा नहीं है। हमें नहीं पता कि क्या करना है। हमारे पास पैसे नहीं हैं। हम बच्चों के लिए क्या लाएं, समझ में नहीं आ रहा है। अबू ने दूध न होने के कारण बच्ची की बोतल में पानी डाला, ताकि उसकी भूख मिट सके।

बीते दो महीने से इस्राइल ने गाजा में खाना, दवाइयां और अन्य जरूरी चीजें भेजना बंद कर दिया है। सहायता समूहों ने चेतावनी दी है कि गाजा की नागरिक आबादी भुखमरी का सामना कर रही है। वहीं, इस्राइल का कहना है कि उसने यह सब इसलिए किया है, ताकि आतंकवादी संगठन हमास पर बंधकों की रिहाई के लिए दबाव डाला जा सके। वहीं, सहायता समूहों का कहना है कि मानवीय सहायता रोकना सामूहिक दंड है और यह अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है।

गाजा में अब लगभग कुछ भी नहीं बचा : सहायता समूह

भुखमरी को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के बारे में पूछे जाने पर इस्राइली अधिकारियों ने तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। हालांकि, अतीत में उन्होंने आतंकवादी समूह हमास पर सहायता चुराने का आरोप लगाया है। गाजा में मानवीय संकट पर चर्चा करने के लिए सहायता समूहों से पत्रकारों ने बात की। इस दौरान उन्होंने बताया कि गाजा में अब लगभग कुछ भी नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि न तो खाना है और न ही पानी और ईंधन। जो थोड़ा–बहुत बचा है, उसकी कीमत बहुत ज्यादा है, गरीब लोगों की पहुंच से बाहर है।

25 किलोग्राम आटे की कीमत 360 अमेरिकी डॉलर

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, गाजा की लगभग पूरी आबादी मानवीय सहायता पर निर्भर है। गोदाम खाली हैं, सामुदायिक रसोई बंद हो रही है, और परिवार भोजन छोड़ रहे हैं। गाजा में ऑक्सफैम के मीडिया समन्वयक गदा अल हद्दाद ने बताया कि 25 किलोग्राम आटे का एक बैग अब 1,300 शेकेल (360 अमेरिकी डॉलर) में मिलता है। उन्होंने बताया कि मां अपने बच्चों को दिन में एक बार यानी रात का खाना खिलाती हैं, जिससे कि वह सुबह

उठकर भूखे रहने की शिकायत न कर सकें।

गाजा के लिए मानवीय सहायता ले जा रहे जहाज पर माल्टा के निकट ड्रोन से किये गए हमले

गाजा के लिए मानवीय सहायता ले जा रहे एक जहाज पर माल्टा समुद्र तट के पास अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में ड्रोन से हमले किये गए। पोत परिवहन का संचालन करने वाले समूह ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि हमले के कारण जहाज पर आग लग गई लेकिन उसपर काबू पा लिया गया। माल्टा सरकार ने कहा कि कॉन्शन्स नाम के जहाज पर चालक दल के 12 सदस्य और चार आम लोग सवार थे। इसने कहा कि सभी लोग सुरक्षित हैं और किसी को चोट नहीं आई है। फ्रीडम फ्लोटिला कोलेशन ने अपने जहाज पर हमले के लिए इजराइल पर आरोप लगाया है। हालांकि इसने इस बारे में सबूत नहीं दिया कि ड्रोन से किये गए हमलों के कारण आग लगी, लेकिन इसके द्वारा साझा किये गए एक वीडियो में एक विस्फोट की आवाज सुनी जा सकती है। एक अन्य वीडियो में आग की लपटें देखी जा सकती हैं। इजराइली सेना ने टिप्पणी के लिए अनुरोध किये जाने पर कोई जवाब नहीं दिया है। इजराइल ने दो महीने से गाजा में किसी भी तरह की मानवीय सहायता पर रोक लगा रखी है। इससे गाजा में लगभग 19 महीने से जारी युद्ध में भीषण मानवीय संकट पैदा हो गया है। फ्रीडम फ्लोटिला के अनुसार, शुक्रवार को माल्टा तट से लगभग 26 किलोमीटर दूर समुद्र में जहाज पर हमला हुआ। एक दशक से अधिक समय से समूह से जुड़े हुए चार्ली एंड्रियासन ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि उन्होंने जहाज पर मौजूद लोगों से बात की, जिन्होंने बताया कि दो विस्फोट हुए और आग लग गई।